RPSC, RSMSSB
और राजस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहद उपयोगी।

AKSHANSH PUBLICATION

नवगठित 7 संभागों एवं 41 जिलों पर आधारित

राजस्थान राजव्यवस्था

प्रथम संस्करण

RAJASTHAN PYQ SERIES

अध्यायवार प्रश्नों की व्याख्या

आर.ए.एस. (RAS), प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी एवं तृतीय श्रेणी अध्यापक, सब इंस्पेक्टर (राज, पुलिस), कांस्टेबल, जेल प्रहरी, CET, BSTC, PTET, पटवार, ग्राम सेवक, एल. डी. सी., जूनियर एकाउंटेंट, एग्रीकल्चर सुपरवाइजर एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तक।

2010 से 2025 तक के समस्त वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का विश्लेषणात्मक एवं व्याख्यात्मक संकलन

नागवेन्द्र सर

अक्षांश पब्लिकेशन
M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

AKSHANSH PUBLICATION

द्वितीय श्रेणी शिक्षक, चतुर्थ श्रेणी, कांस्टेबल, पटवार एवं स्कूल व्याख्याता सहित 2025 तक आयोजित सभी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का टॉपिक-वाइज विस्तृत व्याख्या सहित संकलन।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2025
पटवार	2021, 2025
कॉन्स्टेबल	2022, 2024, 2025
स्कूल व्याख्याता (1st grade)	2021, 2023, 2025
द्वितीय श्रेणी शिक्षक (2nd grade) (माध्यमिक शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के प्रश्न पत्र)	2020, 2022, 2025
तृतीय श्रेणी शिक्षक (3rd grade)	2021, 2022, 2024
REET PRE. EXAM	2018, 2021, 2024
RAS	2021, 2023, 2025
जेल प्रहरी	2022, 2025
महिला पर्यवेक्षक	2024, 2025
BSTC	2022-2025
PTET	2022-2025
CET (10+2, स्नातक)	2023, 2024
पशु परिचर	2024
CHO	2024
ANM & Nurse	2024
सूचना सहायक	2024
संगणक	2024
सांख्यिकी अधिकारी	2024
कनिष्ठ लेखाकार	2016, 2024
प्रयोगशाला सहायक	2018, 2022, 2024
पुस्तकालय अध्यक्षक	2024
खाद्य सुरक्षा अधिकारी	2024
स्टेनोग्राफर	2021, 2023
Protection Officer	2023
Asstt. Fire Officer & Fireman	2022
कम्प्यूटर अनूदेशक	2022
वनपाल वनरक्षक	2022
ग्राम विकास अधिकारी	2021, 2022
पुलिस उपनिरीक्षक (SI)	2018, 2021, 2022
HM (प्रधानाध्यापक)	2021
Highcourt LDC	2017, 2023
RPSC LDC	2011, 2016
RSSB LDC	2018, 2024

RPSC, RSSB एवं अन्य बोर्ड द्वारा राजस्थान में आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नों का व्याख्या सहित संकलन

संपादक

नागवेन्द्र सिंह राणावत सर

सह संपादक

राजवर्धन बेगड़, गंगासिंह भाटी
प्रकाश मेघवाल, अमृत लाल

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

MRP : ₹200

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM | INSTAGRAM | YOUTUBE | FACEBOOK | WHATSAPP

बुक कोड - AP0042

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
lakshyaclassesudr@gmail.com

मुख्य वितरक - लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
M. 9079798005, 6376491126

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

अनुक्रमणिका

01	राज्यपाल	1 - 37
02	मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	38 - 67
03	महाधिवक्ता	68 - 70
04	राज्य विधानमंडल	71 - 100
05	उच्च न्यायालय	101 - 117
06	राज्य प्रशासनिक व्यवस्था	118 - 131
07	जिला प्रशासन	132 - 144
08	पंचायती राज एवं नगरीय प्रशासन	145 - 171
09	राज्य लोक सेवा आयोग	172 - 184
10	राज्य निर्वाचन आयोग	185 - 190
11	राज्य सूचना आयोग	191 - 197
12	राज्य वित्त आयोग	198 - 201
13	राज्य मानवाधिकार आयोग	202 - 214
14	लोकायुक्त	215 - 225
15	राज्य महिला आयोग	226 - 228

01

राज्यपाल

भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद उपबंध करता है कि 'प्रत्येक राज्य के लिए राज्यपाल होगा'?

कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016
जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II

(a) अनु. 154 (b) अनु.155
(c) अनु. 153 (d) अनु.164

उत्तर (c) व्याख्या :-
राज्य का राज्यपाल
- संविधान के **अनुच्छेद 153** में प्रावधान है कि- प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल होता है।
- हालाँकि, 7th संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 की धारा-6 के अनुसार **एक ही व्यक्ति को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त** किया जा सकता है।

राजस्थान की कार्यपालिका का संवैधानिक प्रमुख कौन होता है?

जेल प्रहरी परीक्षा - 2017

(a) मुख्य सचिव (b) राष्ट्रपति
(c) मुख्यमंत्री (d) राज्यपाल

उत्तर (d) व्याख्या :-
- **राज्यपाल** राज्य का संवैधानिक प्रमुख हैं। राज्य की कार्यकारी शक्ति उनमें निहित है। वास्तविक मुखिया मुख्यमंत्री होता है।

राजस्थान राज्य का संवैधानिक मुखिया कौन होता है?

राज. पुलिस कॉन्स्टेबल -14.09.2025 (II SHIFT)

(a) मुख्यमंत्री
(b) विधान सभा अध्यक्ष
(c) राज्यपाल
(d) मुख्य सचिव

उत्तर (c) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

राज्य का मुख्य कार्यकारी प्रमुख कौन होता है?

PATWAR - 17.08.2025 (2nd Shift)

(a) राज्यपाल (b) गृहमंत्री
(c) जिला मजिस्ट्रेट (d) मुख्यमंत्री
(e) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (a) व्याख्या :-
- राज्यपाल, राज्य का कार्यकारी प्रमुख/**संवैधानिक प्रमुख**/ नाममात्र का प्रमुख होता है और मुख्यमंत्री जो मंत्रिपरिषद् का प्रमुख होता है, वास्तविक प्रमुख होता है।
- राज्यपाल केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य करता है। इसलिए, राज्यपाल के कार्यालय की दोहरी भूमिका होती है।

राज्य की कार्यपालिका शक्ति किसमें निहित होती है?

जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2025 (द्वितीय पारी)

(a) गृह मंत्री (b) मुख्यमंत्री
(c) सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश
(d) राज्यपाल (e) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (d) व्याख्या :-
- **अनु. 154** - राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी और उसका प्रयोग वह इस संविधान के अनुसार प्रत्यक्षतः या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से करेगा।
- संवैधानिक प्रमुख होने के कारण **राज्य के सभी शासकीय कार्य** या कार्यकारी कार्य औपचारिक रूप से राज्यपाल के नाम से होते हैं।

संविधान के अनुच्छेद 155 के तहत राज्यपाल की नियुक्ति निम्न में से किसके द्वारा की जाती है?

उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018
जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III

(a) भारत के राष्ट्रपति (b) भारत के प्रधानमंत्री
(c) राज्य के मुख्यमंत्री (d) केन्द्रीय मंत्रिपरिषद

उत्तर (a) व्याख्या :-

राज्यपाल की नियुक्ति-

- संविधान के **अनुच्छेद 155** में राज्यपाल की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है।
- राज्यपाल जनता द्वारा चुना नहीं जाता और न ही अप्रत्यक्ष चुनाव से इसका निर्वाचन होता बल्कि इसकी नियुक्ति राष्ट्रपति के मुहर लगे आज्ञा-पत्र (वारन्ट) से होती है, अर्थात् वह केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत होता है।
- **रघुकुल तिलक बनाम हरगोविन्द पंत 1979 वाद** में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार राज्य में राज्यपाल का कार्यालय केंद्र सरकार के अधीन रोजगार नहीं है, यह एक स्वतंत्र संवैधानिक कार्यालय है और केंद्र सरकार के अधीनस्थ नहीं है।

राज्यपाल से संबंधित प्रमुख अनुच्छेद –

अनुच्छेद	**विवरण**
153	राज्यों के राज्यपाल
154	राज्य की कार्यकारी शक्ति
155	राज्यपाल की नियुक्ति
156	राज्यपाल के पद की पदावधि
157	राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के लिए योग्यताएँ
158	राज्यपाल कार्यालय की शर्तें
159	राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
160	कतिपय आकस्मिकताओं में राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन
161	क्षमा आदि देने की राज्यपाल की शक्ति
162	राज्य की कार्यकारी शक्ति का विस्तार
163	राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद्
164	मंत्रियों से संबंधित अन्य प्रावधान जैसे नियुक्तियाँ, कार्यकाल, वेतन और अन्य
165	राज्य के महाधिवक्ता
166	किसी राज्य की सरकार के कामकाज का संचालन
167	राज्यपाल को सूचना प्रस्तुत करने आदि के संबंध में मुख्यमंत्री के कर्तव्य
174	राज्य विधानमंडल के सत्र, सत्रावसान और विघटन
175	राज्य विधानमण्डल के सदनों को सम्बोधित करने और संदेश भेजने के राज्यपाल के अधिकार।
176	राज्य विधानमण्डल के सदनों में राज्यपाल व विशेष अभिभाषण।
200	विधेयकों पर सहमति (अर्थात् राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति)
201	राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित विधेयक
213	अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति
217	उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल से परामर्श किया जाना।
233	राज्यपाल द्वारा जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति
234	राज्यपाल द्वारा राज्य की न्यायिक सेवा में व्यक्तियों (जिला न्यायाधीशों के अलावा) की नियुक्ति।

निम्नलिखित में से राज्य का वास्तविक कार्यपालिका प्रधान कौन है?

IInd Grade Spc. Edu. 2017

(a) राज्यपाल
(b) मुख्यमंत्री
(c) मंत्रिमंडल
(d) मुख्य सचिव

उत्तर (b) व्याख्या :-

- हमारे संविधान में केंद्र में प्रधानमंत्री के समकक्ष राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री के पद का सृजन किया गया है।
- सरकार की संसदीय व्यवस्था में राज्यपाल राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है, जबकि **मुख्यमंत्री राज्य का वास्तविक प्रमुख** होता है।
- राज्य में मुख्यमंत्री की स्थिति वैसी है जैसे केंद्र में प्रधानमंत्री की स्थिति होती है।

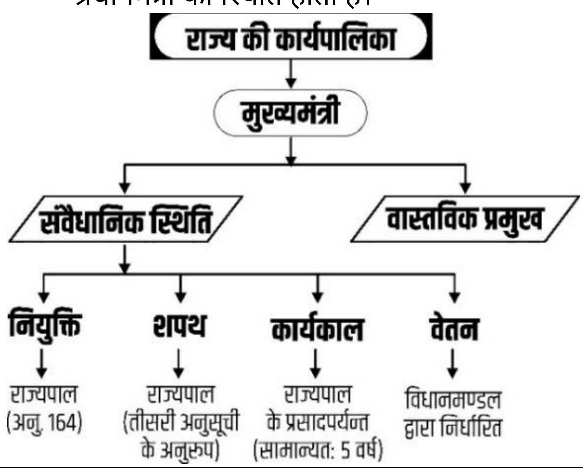

मुख्यमंत्री की नियुक्ति भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत होती है?

पटवार-23.10.2021 (S-I), VDO-27.12.2021 (S-II)
I Grade GK (संस्कृत शिक्षा) - 19.02.2019

(a) अनुच्छेद 164
(b) अनुच्छेद 154
(c) अनुच्छेद 153
(d) अनुच्छेद 163

उत्तर (a) व्याख्या :-

- **अनुच्छेद 164 –** मुख्यमंत्री की नियुक्ति एवं संबंधित प्रावधान है।
- **अनुच्छेद 164 (1)** - राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है तथा अन्य मंत्रियों की नियुक्ति मुख्यमंत्री की सलाह पर की जाती है। यह राज्य शासन की सर्वोच्च कार्यकारी जिम्मेदारी का पद होता है। मंत्री राज्यपाल के प्रसादपर्यन्त पद धारण करते है।
- **अनुच्छेद 164 (2)** - राज्य मंत्रिपरिषद संपूर्ण रूप से राज्य विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। यानी मंत्रियों को विधानसभा का विश्वास प्राप्त होना आवश्यक है।
- **अनुच्छेद 164 (3) -** मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ राज्यपाल दिलाते हैं। इन शपथों का प्रारूप भारतीय संविधान की अनुसूची-3 में दिया गया है।
- शपथ ग्रहण का प्रावधान- मुख्यमंत्री को पदभार संभालने से पहले राज्यपाल के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ लेना अनिवार्य होता है।
- **अनुच्छेद 164 (4)** - यदि कोई व्यक्ति लगातार छह महीने तक राज्य विधानमंडल का सदस्य नहीं बन पाता, तो वह इस अवधि की समाप्ति के साथ ही मंत्री या मुख्यमंत्री के पद पर बना नहीं रह सकता।
- **अनुच्छेद 164 (5)** - मुख्यमंत्री के वेतन और भत्तों का निर्धारण राज्य की विधानमंडलीय प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

संविधान के अनुच्छेद 164 (1) के अनुसार, राजस्थान का मुख्यमंत्री होता है?

संरक्षण अधिकारी – 29.05.2019
द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा – 2014

(a) निर्वाचित
(b) चयनित
(c) मनोनीत
(d) नियुक्त

उत्तर (d) व्याख्या :-
मुख्यमंत्री की भूमिका-
- हमारे संविधान में स्पष्ट उल्लेख किया गया है की राज्यपाल को सहायता एवं सलाह देने के लिए **एक मंत्रिपरिषद्** होगी, **जिसका मुखिया मुख्यमंत्री** होगा।
- मुख्यमंत्री की **नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जायेगी** और उसके परामर्श से अन्य मंत्रियों की नियुक्ति की जाएगी।
- सरकार की संसदीय प्रणाली में मुख्यमंत्री वास्तविक कार्यकारी प्राधिकारी (वास्तविक कार्यकारी) होता है तथा गवर्नर नाममात्र व कानूनी कार्यकारी होता है।
- मुख्यमंत्री **सरकार का मुखिया** होता है तथा राज्यपाल राज्य का प्रमुख होता है।

निम्न कथनों को पढ़कर सही विकल्प कर चयन करें-
Protection Officer -28.01.2023
1. अनुच्छेद 163 के अनुसार राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद होगी।
2. अनुच्छेद 164 (1) के अनुसार मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगा।
3. अनुच्छेद 164 (1) के अनुसार मंत्री, राज्यपाल के प्रसादपर्यंत अपने पद धारण करेंगे।
(a) केवल 1 सही (b) केवल 2 सही
(c) केवल 1 और 3 सही (d) उपर्युक्त सभी सही

उत्तर (d) व्याख्या :-
- **अनुच्छेद 164 (1) -** राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। यह राज्य शासन की सर्वोच्च कार्यकारी जिम्मेदारी का पद होता है।
- **अनुच्छेद 163** के अनुसार राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद् होती है।
- **अनुच्छेद 164 (1)** के अनुसार मंत्री, राज्यपाल के प्रसादपर्यंत अपने पद धारण करेंगे।
- अगर मुख्यमंत्री त्यागपत्र देता है तो वह सम्पूर्ण मंत्रिपरिषद् का त्यागपत्र माना जाता है।
- मुख्यमंत्री राज्यपाल को अपना त्यागपत्र देता है।

राज्य मंत्रिपरिषद् अपने पद पर बना रहता है.... के प्रसाद पर्यंत।
CET: 05.02.2023 (S-II)
(a) मुख्यमंत्री
(b) स्पीकर
(c) पार्टी अध्यक्ष
(d) राज्यपाल

उत्तर (d) व्याख्या :-
- **मंत्रियों का कार्यकाल** - राज्य के मंत्री तब तक अपने पद पर बने रहते हैं जब तक उन्हें राज्यपाल का समर्थन प्राप्त होता है, जो कि वस्तुतः मुख्यमंत्री के विश्वास पर आधारित होता है। राज्य मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

मुख्यमंत्री बनने के लिए कितनी आयु आवश्यक है?
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-2024 (1)
(a) 25 वर्ष (b) 30 वर्ष
(c) 35 वर्ष (d) 18 वर्ष

उत्तर (a) व्याख्या :- संविधान में मुख्यमंत्री की योग्यता से संबंधित शब्दश: कोई प्रावधान नहीं।
मुख्यमंत्री पद के लिए आवश्यक योग्यताएँ –
- मुख्यमंत्री बनने के लिए वही योग्यता होनी चाहिए जो किसी मंत्री के लिए आवश्यक होती है।
- उम्मीदवार की **न्यूनतम आयु 25 वर्ष** होनी चाहिए।
- वह व्यक्ति राज्य विधानमंडल के किसी भी एक सदन (विधानसभा या विधानपरिषद्) का सदस्य होना चाहिए।
- यदि कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री नियुक्त होता है, लेकिन वह उस समय विधानमंडल का सदस्य नहीं है, तो उसे 6 महीने के भीतर किसी एक सदन की सदस्यता प्राप्त करनी होती है। ऐसा नहीं करने पर उसे पद से इस्तीफा देना पड़ता है।
- आमतौर पर मुख्यमंत्री विधानसभा (निचला सदन) का सदस्य होता है।
- यदि किसी राज्य में द्विसदनात्मक विधानमंडल (दो सदनों वाला) व्यवस्था है, तो विधानपरिषद् (उच्च सदन) का सदस्य भी मुख्यमंत्री बन सकता है।

महाधिवक्ता

कौन-सा कथन गलत है?

VDO-27.12.2021 (S-II)

(a) राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है।

(b) महाधिवक्ता का पारिश्रमिक राज्यपाल द्वारा निर्धारित किया जाता है।

(c) महाधिवक्ता का यह कर्तव्य होगा कि वह राज्य सरकार को विधिक मामलों में सलाह दें।

(d) महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पदधारण करेगा।

उत्तर (a) व्याख्या :-

- अनुच्छेद-165 के अनुसार महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्य मंत्रिपरिषद् की सलाह पर राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- महाधिवक्ता (Advocate General) का पद संवैधानिक है एवं इसका उल्लेख भाग-6 अनुच्छेद 165 में है।
- प्रत्येक राज्य का राज्यपाल किसी ऐसे व्यक्ति को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त करेगा, जो उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के योग्य हो। **[अनुच्छेद – 165 (1)]**
- महाधिवक्ता का यह कर्तव्य होगा कि वह संबंधित राज्य की सरकार को ऐसे कानूनी मामलों पर सलाह दे और कानूनी प्रकृति के ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करे; जो समय-समय पर राज्यपाल द्वारा उसे संदर्भित या सौंपे जाएँ और इस संविधान या किसी अन्य कानून के तहत उसे सौंपे गए कार्यों का निर्वहन करे। **[अनुच्छेद – 165 (2)]**
- महाधिवक्ता राज्यपाल की इच्छापर्यन्त पद धारण करेगा और राज्यपाल द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक प्राप्त करता है। **[अनुच्छेद – 165 (3)]**

महाधिवक्ता

- संविधान के **भाग 6** (राज्य) के **अनुच्छेद 165** में राज्य के महाधिवक्ता की व्यवस्था की गई है।
- वह राज्य का **सर्वोच्च कानून अधिकारी** होता है। इस तरह वह भारत के महान्यायवादी का अनुपूरक होता है।

राज्य के महाधिवक्ता से संबंधित अनुच्छेद -	
अनुच्छेद	**विषयवस्तु**
165	राज्य के महाधिवक्ता
177	राज्य विधायिका के सदनों तथा इसकी समितियों से जुड़े महाधिवक्ता के अधिकार
194	महाधिवक्ता की शक्तियां, विशेषाधिकार तथा प्रतिरक्षा

भारत में किसी राज्य के महाधिवक्ता (ऐड्वोकेट जनरल) की नियुक्ति कौन करता है?

4th Grade - IInd Shift - 20.09.2025

(a) राज्य का कानून मंत्री

(b) उस राज्य का राज्यपाल

(c) राष्ट्रपति

(d) उस राज्य का मुख्यमंत्री

(e) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (b) व्याख्या :-

- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

भारत में राज्य के महाधिवक्ता का पारिश्रमिक किसके द्वारा निर्धारित किया जाता है?

2nd Grade GK-07.09.2025

(a) भारत के राष्ट्रपति द्वारा

(b) राज्य के राज्यपाल द्वारा

(c) राज्य विधानमंडल द्वारा

(d) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा

(e) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर (b) व्याख्या :-

अनुच्छेद-165-

- संविधान में महाधिवक्ता के वेतन-भत्तों का निर्धारण नहीं किया गया है।
- उसके वेतन-भत्तों का निर्धारण **राज्य के राज्यपाल द्वारा** किया जाता है।

भारत के संविधान के निम्नांकित में से कौन-से अनुच्छेद के तहत राजस्थान का महाधिवक्ता राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही में भाग ले सकता है?

II Grade.GK. 2022

(a) 175
(b) 176
(c) 177
(d) 178

उत्तर (c) व्याख्या :-

- अनुच्छेद 177 के अनुसार राज्य के महाधिवक्ता को यह अधिकार होगा कि वह उस राज्य की विधानसभा में या विधान परिषद् वाले राज्य की दशा में दोनों सदनों या संबंधित समिति अथवा उस सभा में, जहां के लिए वह अधिकृत है, में बोलने और उनकी कार्यवाहियों में भाग लेने का अधिकार है।
- किंतु महाधिवक्ता को विधानमंडल के किसी भी सदन में मतदान का अधिकार नहीं होगा।
- महाधिवक्ता को वे सभी विशेषाधिकार एवं भत्ते मिलते हैं जो विधानमंडल के किसी सदस्य को मिलते हैं।
- अपने कार्य संबंधी कर्तव्यों के तहत महाधिवक्ता को राज्य के किसी भी न्यायालय के समक्ष सुनवाई का अधिकार है।

निम्न कथनों में से कौन-सा सही है?

वनरक्षक-12.12.2022 (S-I)

1. महाधिवक्ता को राज्य की विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार है।
2. उसे राज्य की विधानसभा में वोट देने का अधिकार है।

(a) केवल कथन 1 सही है।
(b) केवल कथन 2 सही है।
(c) 1 व 2 दोनों कथन सही हैं।
(d) 1 व 2 दोनों कथन गलत हैं।

उत्तर (a) व्याख्या :-

- महाधिवक्ता का कार्यक्षेत्र पूरे राज्य में फैला होता है और महाधिवक्ता को राज्य में स्थित सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार प्राप्त होता है। **(अनुच्छेद 165)**
- अनुच्छेद 177 के अनुसार महाधिवक्ता विधानमंडल का सदस्य नहीं होता है, लेकिन वह विधानमंडल के किसी भी सदन की बैठकों में भाग ले सकता है, वक्तव्य दे सकता है, चर्चा में शामिल हो सकता है, किंतु **मतदान का अधिकार उन्हें नहीं** है।
- अनुच्छेद 194 के अनुसार महाधिवक्ता को अपने कार्यकाल के दौरान उन सभी उन्मुक्तियों और विशेषाधिकारों का लाभ मिलता है, जो विधानमंडल के सदस्यों को प्राप्त होते हैं।

निम्न में से कथनों में कौन-सा विकल्प सही है?
I. राजस्थान का महाधिवक्ता कार्यालय, राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के अनुसार, राजस्थान राज्य के गठन पर अस्तित्व में आया।
II. जी. सी. कासलीवाल राजस्थान राज्य के प्रथम महाधिवक्ता बने।

CET : 07.01.2023 (S-I)

(a) केवल कथन I सही है।
(b) केवल कथन II सही है।
(c) I व II दोनों कथन सही हैं।
(d) I व II दोनों कथन गलत हैं।

उत्तर (c) व्याख्या :-

- राज्य के निर्माण के पश्चात् राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के द्वारा एडवोकेट जनरल राजस्थान का कार्यालय अस्तित्व में आया।
- राज्य के पहले एडवोकेट जनरल श्री जी.सी. कासलीवाल को मनोनीत किया गया।
- फरवरी, 2024 से श्री राजेन्द्र प्रसाद राजस्थान के 19वें महाधिवक्ता के पद पर नियुक्त हैं।
- 18वें महाधिवक्ता महेंद्र सिंह सिंघवी थे। (जनवरी, 2019 में नियुक्त)
- एडवोकेट जनरल का कार्यालय राजस्थान सरकार से संबंधित सभी प्रकार के मुकदमों की पैरवी करता है।
- ए.जी. कार्यालय की मुख्य पीठ जोधपुर में है तथा इसकी खंडपीठ जयपुर में है।

भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत, राज्यों में विधान परिषद् का गठन किया जा सकता है?

JEN (Mechanical) Degree - 2022

(a) अनु. 168 (b) अनु. 169
(c) अनु. 170 (d) अनु. 171

उत्तर (b) व्याख्या :-

अनुच्छेद 169 - विधान परिषद् का गठन या समाप्ति-

- यह अनुच्छेद किसी राज्य में विधान परिषद् (Upper House) के गठन या उसे समाप्त करने की प्रक्रिया से संबंधित है।
- किसी राज्य में विधान परिषद् बनाने या समाप्त करने का अंतिम **निर्णय संसद के पास** होता है।
- इसके लिए संबंधित राज्य की विधानसभा को **विशेष बहुमत** से एक प्रस्ताव पारित करना होता है, जिसे फिर संसद के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।
- राज्य की विधानसभा द्वारा विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित किया जाता है।
- प्रस्ताव को संसद के पास स्वीकृति के लिए भेजा जाता है।
- अगर संसद **साधारण बहुमत** से प्रस्ताव पारित कर देती है, तो विधान परिषद् के गठन का मार्ग सुचारु हो जाता है।
- वर्तमान में भारत के केवल **6 राज्यों** में विधान परिषद् हैं – उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना।

निम्नलिखित में से किस विधायी सदन को समाप्त किया जा सकता है?

RAS (Pre.) Exam-28.08.2016

(a) विधानसभा (b) विधानपरिषद्
(c) राज्यसभा (d) लोकसभा

उत्तर (b) व्याख्या :-

- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य में विधान परिषद् की संरचना का उल्लेख है?

पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा – 13.12. 2022

(a) 170 (b) 171
(c) 172 (d) 173

उत्तर (b) व्याख्या :-

- **विधान परिषद की संरचना**

(1) कुल सदस्य संख्या:

- किसी राज्य की विधान परिषद में कुल सदस्यों की संख्या, उस राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई (1/3) से अधिक नहीं होगी।
- लेकिन किसी भी राज्य की विधान परिषद में कम से कम 40 सदस्य होना आवश्यक है।

(2) संसद का अधिकार:

- जब तक संसद कोई अन्य व्यवस्था नहीं करती, तब तक विधान परिषद की संरचना अनुच्छेद 171(3) के अनुसार होगी।

(3) सदस्यों का चुनाव और नामांकन:

विधान परिषद के सदस्यों को पाँच भागों में बाँटा गया है-

(क) स्थानीय निकायों (नगरपालिकाएं, जिला परिषदें आदि) के सदस्यों द्वारा - 1/3

(ख) राज्य के स्नातकों द्वारा (जो कम से कम 3 वर्ष से स्नातक हों) - 1/12

(ग) राज्य के शिक्षकों द्वारा (जो कम से कम 3 वर्ष से अध्यापन कार्य में हों) - 1/12

(घ) राज्य की विधान सभा के सदस्यों द्वारा, ऐसे व्यक्तियों में से जो स्वयं विधायक न हों - 1/3

(ङ) राज्यपाल द्वारा नामांकित सदस्य शेष - 1/6

(4) चुनाव की विधि:

- चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली से एकल संक्रमणीय मत के आधार पर होते हैं।

(5) राज्यपाल द्वारा नामांकित सदस्य:
राज्यपाल ऐसे व्यक्तियों को नामांकित करते हैं, जिन्हें निम्न क्षेत्रों में विशेष ज्ञान या अनुभव हो:
1. साहित्य 2. विज्ञान
3. कला 4. सहकारी आंदोलन
5. समाज सेवा

राज्य विधानपरिषद् में सदस्यों की न्यूनतम संख्या क्या है?
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.06.2024 (I)
(a) 40 (b) 50
(c) 60 (d) 30

उत्तर (a) व्याख्या :-
• उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

राजस्थान की प्रस्तावित विधान परिषद में अधिक से अधिक कितने सदस्य हो सकते हैं?
HM - 15.5.2012
(a) 64 (b) 65
(c) 66 (d) 67

उत्तर (c) व्याख्या :-
• राजस्थान में विधान परिषद का उत्सादन (गठन) और समापन, यदि राजस्थान में विधान परिषद का गठन होता है, तो वहां अधिकतम 66 सीटें हो सकती हैं।

राज्य विधानपरिषद् के उत्सादन के लिए राज्य विधानसभा द्वारा संविधान के अनुच्छेद 169 के अंतर्गत स्वीकृत संकल्प के बारे में निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही है?
RAS 2021
(a) केन्द्र सरकार पर बाध्यता अधिरोपित करता है कि वह संसद में विधि निर्माण हेतु कार्यवाही करें।
(b) केन्द्र सरकार पर कोई बाध्यता अधिरोपित नहीं करता है कि वह संसद में विधि निर्माण हेतु कार्यवाही करें।
(c) राज्यपाल पर कोई बाध्यता अधिरोपित नहीं करता है कि वह संकल्प को राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित करें।
(d) राज्यपाल पर बाध्यता अधिरोपित करता है कि वह संकल्प को राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित करें।

उत्तर (b) व्याख्या :-
• भारतीय संविधान के अनुच्छेद 169 के मुताबिक, भारत की संसद किसी राज्य में विधान परिषद बना या समाप्त कर सकती है। इसके लिए, उस राज्य की विधायिका को विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित करना होता है।

विधान परिषद् के सदस्यों का चुनाव किया जाता है-
1. प्रत्यक्ष चुनाव से 2. अप्रत्यक्ष चुनाव से
3. नामांकन से
CET: 04.02.2023 (S-I)
(a) 1, 2 और 3 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1 और 2

उत्तर (b) व्याख्या :-
• **सदस्यों का चुनाव –**
• विधानसभा सदस्यों के विपरीत विधानपरिषद् के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होते हैं।
• ये **एकल संक्रमणीय मत** के द्वारा **समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली** के माध्यम से चुने जाते हैं।
• **विधान परिषद् के कुल सदस्यों में से-**
1. 1/3 सदस्य **स्थानीय निकायों**, जैसे-नगरपालिका, जिला बोर्ड आदि के द्वारा चुने जाते हैं।
2. 1/12 सदस्यों को राज्य में रह रहे **3 वर्ष से स्नातक** निर्वाचित करते हैं।
3. 1/12 सदस्यों का निर्वाचन **3 वर्ष से अध्यापन कर रहे लोग** चुनते हैं लेकिन ये अध्यापक माध्यमिक स्कूलों से कम के नहीं होने चाहिये।
4. 1/3 सदस्यों का चुनाव **विधानसभा के सदस्यों द्वारा** किया जाता है।
5. शेष 1/6 सदस्यों का **नामांकन राज्यपाल द्वारा** किया जाता है। राज्यपाल द्वारा नामित लोग साहित्य, ज्ञान, कला, सहकारिता आंदोलन और समाज सेवा का विशेष ज्ञान व व्यावहारिक अनुभव रखने वाले होना अनिवार्य है।
• इस तरह विधान परिषद् के कुल सदस्यों में से **5/6 सदस्यों का अप्रत्यक्ष रूप से** चुनाव होता है और **1/6 को राज्यपाल नामित** करता है।
• हालाँकि विधानपरिषद् के गठन की यह प्रक्रिया संविधान में अस्थायी है, अर्थात् संसद इसको बदलने और सुधारने के लिए अधिकृत है, हालांकि अभी तक संसद ने ऐसी कोई विधि नहीं बनाई है।

राज्य के उच्च न्यायालय के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिए-

ग्राम सेवक परीक्षा - 18.12.2016

1. संविधान के अनुच्छेद 213 में प्रावधान है कि प्रत्येक राज्य में एक उच्च न्यायालय होगा।

2. राज्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है।

3. अनुच्छेद 226 के अन्तर्गत उच्च न्यायालय को कुछ लेख (Writs) जारी करने का अधिकार है।

4. भारतीय संविधान के प्रावधान के तदनुसार दो तथा दो से अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय का गठन किया जा सकता है।

कूट:

(a) 2, 3 तथा 4 सही हैं।
(b) 1, 3 तथा 4 सही हैं।
(c) 1 तथा 2 सही हैं।
(d) 1, 2 तथा 3 सही हैं।

उत्तर (a) व्याख्या :-

उच्च न्यायालय का गठन

- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 216** में राज्यों में उच्च न्यायालय के गठन का प्रावधान किया गया है।
- संविधान के द्वारा प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय की व्यवस्था की गई है।
- **7वें संशोधन अधिनियम, 1956** के द्वारा संशोधित – दो या अधिक राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्र के लिए **एक साझा उच्च न्यायालय** की स्थापना की जा सकती है।
- संसद एक उच्च न्यायालय के न्यायिक क्षेत्र का विस्तार, किसी संघ राज्य क्षेत्र में कर सकती है अथवा किसी संघ राज्य क्षेत्र को एक उच्च न्यायालय के न्यायिक क्षेत्र से बाहर कर सकती है।

न्यायाधीशों की नियुक्ति

- मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति **राष्ट्रपति द्वारा**, भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल से परामर्श के बाद की जाती है।
- दो या अधिक राज्यों के साझा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति में राष्ट्रपति सभी संबंधित राज्यों के राज्यपालों से परामर्श करता है।
- अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति में संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी परामर्श किया जाता है।

रिट क्षेत्राधिकार

- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 266** के तहत उच्च न्यायालय को कुछ विशेषाधिकार रिट जारी करने की शक्ति प्राप्त है।
- यदि न्यायादेश देने का कारण इसके **क्षेत्राधिकार राज्यक्षेत्र की सीमाओं में है तो उच्च न्यायालय किसी भी व्यक्ति, प्राधिकरण और सरकार को अपने क्षेत्राधिकार के राज्यक्षेत्र की सीमाओं के अदर बल्कि इसके बाहर भी ऐसा न्यायादेश दे सकता है'।**

किस तारीख को राजस्थान उच्च न्यायालय के नियम, 1952 प्रभावी हुए?

Assistant Professor-22.9.2021

(a) 16 जनवरी, 1952 (b) 15 अगस्त, 1952
(c) 01 अक्टूबर, 1952 (d) 31 दिसम्बर, 1952

उत्तर (c) व्याख्या :-

- राजस्थान उच्च न्यायालय की **स्थापना 29 अगस्त, 1949** को हुई।
- उस समय इसमें **एक मुख्य न्यायाधीश और 11 अन्य न्यायाधीश** शामिल थे।
- 26 जनवरी, 1950 को जब राजस्थान **'बी' श्रेणी** का राज्य बना, तब उच्च न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश और **6 न्यायाधीश** कार्यरत थे (कुल 7)।
- 1 अक्टूबर,1952 से राजस्थान उच्च न्यायालय के नए नियम लागू किए गए।

◪ निम्नांकित में से किसने 29 अगस्त, 1949 को राजस्थान उच्च न्यायालय के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी?

Asst. Professor-07.01.2024

(a) श्री जय नारायण व्यास
(b) राजप्रमुख महाराजा सवाई मानसिंह
(c) माननीय न्यायमूर्ति जवानसिंह राणावत
(d) माननीय न्यायमूर्ति कमलकांत वर्मा

उत्तर (b) व्याख्या :-

- राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना 29 अगस्त, 1949 को जोधपुर में की गई थी।
- उद्घाटन समारोह की **अध्यक्षता तत्कालीन राजप्रमुख महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय** ने की थी।
- इस अवसर पर **न्यायमूर्ति कमलकांत वर्मा को प्रथम मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ** दिलाई गई।
- उनके साथ अन्य **11 न्यायाधीशों ने भी अपने पद की शपथ** ग्रहण की।

◪ जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय का उद्घाटन 29.08.1949 को राजस्थान के किस राजप्रमुख द्वारा किया गया था?

PATWAR - 17.08.2025 (II Shift)

(a) महाराजा सवाई मान सिंह
(b) महारावल चन्द्र सिंह
(c) महारावल लक्ष्मण सिंह
(d) महाराजा भूपाल सिंह

उत्तर (a) व्याख्या :-

- राजप्रमुख महामहिम महाराजा सवाई मान सिंह द्वारा प्रथम मुख्य न्यायाधीश कमलकान्त वर्मा एवं 11 अन्य न्यायाधीशों को शपथ दिलवाई गई।
- वर्तमान में **7 दिसम्बर, 2019 को जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय के भव्य नवीन भवन का लोकार्पण** भारत के तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति महोदय **राम नाथ कोविंद** द्वारा किया गया था।

◪ राजस्थान उच्च न्यायालय का उद्घाटन राजप्रमुख सवाई मानसिंह द्वारा.........में किया गया था।

CET GRADU. 2023

(a) 29 अगस्त, 1949
(b) 28 जनवरी, 1950
(c) 27 मार्च, 1951
(d) 28 जनवरी, 1952

उत्तर (a) व्याख्या :-

राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना-

पृष्ठभूमि : राजस्थान के एकीकरण के समय पांच रियासतों में उच्च न्यायालय कार्यरत थे:

जयपुर	जोधपुर
कोटा	उदयपुर
बीकानेर	

नए राज्य बनने से पहले राजधानी और उच्च न्यायालय के निर्धारण के लिए बी.आर. पटेल समिति का गठन हुआ।

समिति के अन्य सदस्य:

1. कर्नल टी.सी. पुरी   2. एस.पी. सिन्हा

रिपोर्ट: 27 मार्च 1949

राजधानी: जयपुर

उच्च न्यायालय: जोधपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय अधिनियम 1949:

21 जून 1949: अधिनियम द्वारा पूर्व सभी उच्च न्यायालयों के क्षेत्राधिकार समाप्त कर, पूरे राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय का गठन किया गया।

उद्घाटन : 25 अगस्त 1949: राजप्रमुख मानसिंह द्वितीय ने अधिसूचना जारी कर उच्च न्यायालय का उद्घाटन जोधपुर में निर्धारित किया।

29 अगस्त 1949: राजस्थान उच्च न्यायालय का उद्घाटन हुआ।

अध्यक्षता: राजप्रमुख सवाई मानसिंह द्वितीय

शपथ ग्रहण: माननीय न्यायमूर्ति कमलकांत वर्मा (पूर्व मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय) अन्य 11 न्यायाधीशों ने भी शपथ ली।

◪ **किसी राज्य के प्रशासनिक पदसोपान के शीर्ष पर होता है –**

द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती 2013

(a) मंत्रिमंडल सचिव
(b) प्रमुख शासन सचिव
(c) मुख्य सचिव
(d) मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव

उत्तर (c) व्याख्या :-

- **मुख्य सचिव राज्य प्रशासन का मुखिया या शीर्ष पदाधिकारी** होता है तथा मुख्य समन्वयक एवं लोकसेवकों के लिए मुख्य उत्प्रेरक का कार्य करता है।
- राज्य सचिवालय के **पद सोपान के शीर्ष पर मुख्य सचिव** होता है।
- वह **सचिवों का मुखिया एवं राजकीय लोक सेवाओं का अध्यक्ष** होता है।
- वह सचिवालय के सभी विभागों को परस्पर संयुक्त करता है और तालमेल बनाए रखता है, इसलिए **उसे सचिवालय का किंगपिन कहा** जाता है।
- मुख्य सचिव का पद **ब्रिटिश सरकार की देन** है। सर्वप्रथम तत्कालीन **गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली ने 1799** में इस पद का सृजन किया था और जी**.एस. बार्लो को प्रथम मुख्य सचिव** नियुक्त किया गया था।
- तत्पश्चात आजादी से पहले ही केन्द्र में यह पद समाप्त कर दिया था और राज्य सरकारों में यह पद अपनाया गया।

◪ **राजस्थान में नौकरशाह संगठन का प्रमुख कौन है?**

PTI Exam-23.02.2015

(a) मुख्यमंत्री
(b) कार्मिक सचिव
(c) गृह सचिव
(d) मुख्य सचिव

उत्तर (d) व्याख्या :-

- राजस्थान में **नौकरशाह संगठन का प्रमुख मुख्य सचिव** होता है।
- मुख्य सचिव राज्य प्रशासन का **मुखिया या शीर्ष पदाधिकारी** होता है तथा मुख्य समन्वयक एवं लोकसेवकों के लिए मुख्य उत्प्रेरक का कार्य करता है।

पदस्थिति -

- वर्ष 1973 से पूर्व सभी राज्यों में मुख्य सचिव की स्थिति में भिन्नता थी। वर्ष **1973** से **प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिश** के आधार पर मुख्य सचिव को राज्य में वरिष्ठतम लोक सेवक बनाया गया।
- मुख्य सचिव का राजनीतिक प्रमुख मुख्यमंत्री होता है। मुख्य सचिव सचिवालय का सर्वेसर्वा होता है। वह सचिवालय का प्रधान है।
- राजस्थान प्रशासनिक सुधार समिति (1963) - "सरकारी मशीनरी का प्रधान तथा मंत्रिपरिषद् का सलाहकार होने के कारण मुख्य सचिव की अद्वितीय स्थिति है तथा उसे राज्य प्रशासन में अत्यधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। मुख्यमंत्री के सपनों (कार्यक्रम/योजनाओं/ नियोजन) को साकार रूप देने वाला शिल्पी मुख्य सचिव होता है।"

◪ **निम्न में से कौन-सा राजस्थान का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है?**

PTI 2015 II Grade Teacher 2014
कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019

(a) मुख्य सचिव
(b) प्रमुख शासन सचिव
(c) मुख्यमंत्री
(d) मंत्रिमण्डल सचिव

उत्तर (a) व्याख्या :-

भूमिका -

- राज्यपाल राज्य की कार्यपालिका का राजनीतिक प्रमुख होता है। उसी प्रकार मुख्य सचिव कार्यपालिका का एक प्रशासनिक प्रमुख होता है।
- वह राज्य की लोक सेवाओं का प्रमुख होता है। मुख्य सचिव मुख्यमंत्री के प्रमुख परामर्शदाता के रूप में कार्य करता है।
- वह सचिवालय के कुछ विभागों का प्रमुख होता है।
- मुख्य सचिव केन्द्र और राज्य सरकारों के मध्य कड़ी का कार्य करता है।
- इस प्रकार मुख्य सचिव केन्द्र के प्रधान सचिव, कैबिनेट सचिव और विभागीय मंत्रालयिक सचिव की भूमिका का निर्वहन करता है।
- केन्द्र में राज्य के मुख्य सचिव के समकक्ष कोई पद नहीं है।

◪ **अधोलिखित राज्य सचिव में स्थित पदों को नीचे दिए गये कूट की सहायता से पद सोपानीय क्रम (उच्चतर से निम्नतर) में नियोजित करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए-**

ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016

1. सचिव **2. उप सचिव**
3. विशिष्ट सचिव **4. सहायक सचिव**

कूट :

(a) 2, 3, 4, 1 (b) 4, 3, 2, 1
(c) 3, 2, 1, 4 (d) 1, 3, 2, 4

उत्तर (d) व्याख्या :-

राज्य सचिवालय की प्रशासनिक संरचना–

सोपानीय क्रम उच्चतर से निम्नतर

- मुख्य सचिव
- अतिरिक्त मुख्य सचिव
- प्रमुख शासन सचिव
- सचिव
- विशिष्ट सचिव (यह पद सामान्यतः होता नहीं)
- संयुक्त सचिव
- उप सचिव
- सहायक सचिव

◪ **राजस्थान राज्य सचिवालय के निम्न पदाधिकारियों पर विचार कीजिए-**

II Gra. GK (संस्कृत शिक्षा) -19.2.2019

1. मुख्य सचिव **2. उप-सचिव**
3. अतिरिक्त सचिव **4. शासन सचिव**

उपर्युक्त पदाधिकारियों का सही अवरोही क्रम क्या है?

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 1, 3, 2, 4
(c) 1, 4, 2, 3 (d) 1, 4, 3, 2

उत्तर (d) व्याख्या :-

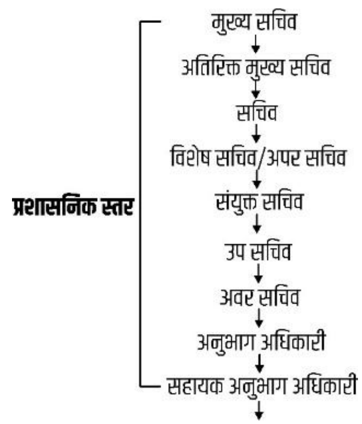

◪ **मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त होने वाले अधिकारी का निम्न द्वारा चयन किया जाता है-**

II grade. Teacher-26.4.17

जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018 (Shift -II)

(a) राज्यपाल (b) मुख्यमंत्री
(c) गृहमंत्री (d) राष्ट्रपति

उत्तर (b) व्याख्या :-

नियुक्ति -

- राज्य का **मुख्यमंत्री, राज्य के राज्यपाल से उचित परामर्श के बाद मुख्य सचिव की नियुक्ति** करता है।
- प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग ने इस पद के लिए वरिष्ठता और योग्यता दोनों को आधार बनाने की सिफारिश की थी।
- सामान्यतः मुख्य सचिव नियुक्त व्यक्ति राज्य के आईएएस कैडर का सबसे वरिष्ठ अधिकारी होता है।
- हालाँकि, यह कोई सख्त नियम नहीं है और अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री का होता है।

भारत में जिला प्रशासन में कलेक्टर का पद किस वर्ष में बनाया गया था?

पुलिस कॉन्स्टेबल - 14.06.2024 (II)

(a) 1852 (b) 1764
(c) 1872 (d) 1772

उत्तर (d) व्याख्या :-
- **सन् 1772** में अंग्रेजी शासन काल में **गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स** द्वारा 'कलेक्टर' का पद सृजित करने के साथ ही आधुनिक जिला प्रशासन का एक नया अध्याय प्रारंभ हुआ। **(प्रथम कलेक्टर रॉल्फ शेल्डन)**
- स्वतंत्रता के बाद जिले को भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की एक महत्त्वपूर्ण इकाई के रूप में अपनाया गया।
- भारत के संविधान में भी जिला शब्द का प्रयोग किया गया है। संविधान में जिला शब्द का **अनुच्छेद 233** में जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति के प्रसंग में प्रयोग किया गया है। पंचायती राज के लिए जिला परिषद् का प्रयोग **अनुच्छेद 243** में किया गया है।

जिला प्रशासन का वर्तमान स्वरूप सर्वप्रथम प्राचीन काल में किस युग में दिखाई पड़ता है?

Patwar 2011

(a) मौर्य काल में (b) गुप्त काल में
(c) राजपूत शासन काल में (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (a) व्याख्या :-

काल	जिले के लिए प्रयुक्त शब्द	जिले का प्रमुख
मौर्यकाल	जनपद	राजुका
गुप्तकाल एवं हर्षकाल	विषय	विषयपति
सल्तनत काल	परगना	फौजदार
मुगलकाल	सरकार	अमालगुजार / अमिल

जिला कलेक्टर किस सेवा का सदस्य होता है?

वनरक्षक - 13.12.2022 (S-II)

(a) भारतीय राजस्व सेवा
(b) राज्य सिविल सेवा
(c) भारतीय प्रशासनिक सेवा
(d) भारतीय पुलिस सेवा

उत्तर (c) व्याख्या :-
- जिला कलेक्टर भारतीय प्रशासनिक सेवा (Indian Administrative Service – IAS) का सदस्य होता है।
- **चयन प्रक्रिया-** IAS अधिकारी का चयन संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से किया जाता है।
- **प्रशिक्षण-** चयन के बाद IAS अधिकारियों को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (LBSNAA), मसूरी में प्रशिक्षित किया जाता है।
- **पदस्थापन-** IAS अधिकारी को सेवा के आरंभ में उप-जिलाधिकारी (SDM), फिर पदोन्नति के बाद जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट (DM/DC) के रूप में नियुक्त किया जाता है।
- **मुख्य कार्य-** जिला कलेक्टर जिले का प्रशासनिक प्रमुख होता है और राजस्व, कानून व्यवस्था, विकास कार्य, आपदा प्रबंधन आदि की जिम्मेदारी निभाता है।

किसे जिले में प्रमुख जनगणना अधिकारी माना जाता है?

प्रवक्ता (तकनीकी शि. वि.) -12.03.2021

(a) सम्भागीय आयुक्त
(b) जिला कलेक्टर
(c) अतिरिक्त जिला कलेक्टर
(d) उपखण्ड अधिकारी

उत्तर (b) व्याख्या :-
- प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर को जनगणना संचालन के लिए मुख्य जनगणना अधिकारी (Principal Census Officer) नियुक्त किया जाता है।

- यह नियुक्ति भारत के रजिस्ट्रार जनरल (Registrar General of India) द्वारा की जाती है।
- जिला कलेक्टर जिले में जनगणना संबंधी सभी कार्यों की योजना, समन्वय और निगरानी करता है।
- जिला कलेक्टर की सहायता के लिए उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, स्कूल शिक्षक आदि को विभिन्न स्तरों पर गणनाकार या पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को पहली बार जिला कलेक्टर के रूप में पदस्थापना निम्नांकित में से किस वर्ष में की गई थी?

R.A.S.-27.10.2021

(a) 2021 (b) 2013
(c) 2009 (d) 2018

उत्तर (c) व्याख्या :-
- वर्ष 2009 में पहली बार राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) के अधिकारियों को **जिला कलेक्ट**र जैसे उच्च पद पर नियुक्त किया गया।
- यह कदम राजस्थान के प्रशासनिक ढाँचे में एक नवीन प्रयोग था, जिसने RAS अधिकारियों को बड़ी जिम्मेदारी और अवसर दिया।

कौन-सा एक कथन सत्य नहीं है?

CET: 8.1.2023 (I)

(a) सन् 1772 में वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा जिला कलेक्टर का पद सृजित किया गया।
(b) जिले में जिला कलेक्टर मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी का कार्य करता है।
(c) भारत के संविधान के अनुच्छेद 233 में 'जिला न्यायाधीश' शब्द का उल्लेख किया गया है।
(d) रेम्जे मैक्डोनॉल्ड ने कलेक्टर को संस्थागत करिश्मा कहा था।

उत्तर (d) व्याख्या :-
- वर्ष 1772 में **वारेन हेस्टिंग्स** द्वारा जिला कलेक्टर का पद पहली बार सृजित किया गया एवं कलेक्टर को भू-राजस्व संग्रह का अधिकार सौंपा गया।
- बंगाल में प्रथम कलेक्टर के रूप में राल्फ शैल्डन (Ralph Sheldon) को नियुक्त किया गया।
- 1773 ई. में यह पद समाप्त कर दिया गया।
- 1781 ई. में कलेक्टर पद को फिर से शुरू किया गया।
- 1787 ई. में कलेक्टर को राजस्व संग्रह के साथ-साथ दण्डनायक (मजिस्ट्रेट) की शक्तियाँ भी प्रदान की गईं।
- जिला कलेक्टर जिले का मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी होता है, जो वीआईपी यात्राओं और सरकारी आयोजनों की देखरेख करता है।
- संविधान के अनुच्छेद 233 में जिला न्यायाधीश (District Judge) का उल्लेख है।
- **रजनी कोठारी:** जिलाधीश को 'संस्थागत करिश्मा' की संज्ञा दी।
- **अटल बिहारी वाजपेयी:** जिलाधीश जिला प्रशासन की धुरी हैं।
- **के. के. दास:** कहीं और जिलाधीश नामक अधिकारी नहीं होगा और नहीं हुआ है।
- **रैम्जे मैक्डोनल्ड:** "जिलाधीश की तुलना एक कछुए से की जा सकती है, जिसकी पीठ पर भारत सरकार का हाथी खड़ा है।"

निम्न में से किसने जिलाधीश को 'संस्थागत करिश्मा' कहा था?

RAS - 2013

(a) रजनी कोठारी
(b) पी. आर. दुभाषी
(c) टी.एन. चतुर्वेदी
(d) जे.डी. शुक्ला

उत्तर (a) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का अध्यक्ष कौन होता है।

VDO-27.12.2021 (S-II)
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (II)

(a) आयुक्त नगर निगम
(b) सी.ई.ओ. (जिला परिषद)
(c) जिला कलेक्टर
(d) पुलिस अधीक्षक

भारत के संविधान में निम्नलिखित में से कौन-सा संशोधन पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है?

PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022

(a) 75वाँ (b) 73वाँ
(c) 71वाँ (d) 72वाँ

उत्तर (b) व्याख्या :-
- दिसम्बर, 1992 में संसद द्वारा **73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 पारित किया** गया, जो राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के **उपरान्त 24 अप्रैल, 1993** को लागू हुआ।
- 24 अप्रैल को **पंचायती राज दिवस** मनाया जाता है।
- भारत के संविधान निर्माताओं ने **स्थानीय शासन विषय को राज्य सूची में स्थान** दिया है।
- नरसिम्हा राव के काल में **73वाँ संविधान संशोधन**, 1992 में संविधान में **भाग IX** जोड़ा गया तथा इसमें पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया गया।
- इस संशोधन पर गठित संसद की संयुक्त प्रवर समिति के अध्यक्ष **नाथूराम मिर्धा** थे।
- 73वां संविधान संशोधन **24 अप्रैल, 1993** को लागू हुआ।
- इसी संशोधन द्वारा संविधान में **11 वीं अनुसूची** तथा **अनुच्छेद 243 से 243 O** जोड़े गए, जिसमें पंचायतों के लिए **29 कार्यों** का उल्लेख है।

निम्न संवैधानिक अनुच्छेदों में से कौन-सा अनुच्छेद पंचायत के बारे में 73 वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था?

ग्राम सेवक 18.12.16
संरक्षण अधिकारी-29.5.19

(a) 243 से 243 - 0 (b) 243 से 243-T
(c) 243 से 243-ZA (d) 244 से 244-P

उत्तर (a) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

किस अनुच्छेद के तहत् पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया गया?

पटवार-23.10.2021 (Shift -I)

(a) 221 (b) 227
(c) 243 (d) 241

उत्तर (c) व्याख्या :-
73 वाँ संविधान संशोधन अधिनियम (1992)
- इस संशोधन को **20 अप्रैल, 1993 को राष्ट्रपति** की मंजूरी मिली, **राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा** थे।
- वर्ष 1992 में नरसिम्हा राव सरकार के समय संविधान में 73वाँ संशोधन किया गया, जिसके माध्यम से संविधान में भाग IX जोड़ा गया और **पंचायतों को संवैधानिक दर्जा** प्राप्त हुआ।

निम्नलिखित में से किसका संबंध 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 1992 से हैं?

राज. पुलिस कॉन्स्टेबल - 08.11.2020 (II)

(a) पंचायती राज (b) नगर पालिकाएँ
(c) दलबदल विरोधी कानून (d) मौलिक कर्तव्य

उत्तर (a) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

संविधान में कौन-सा भाग पंचायत से सम्बन्धित है?

RAS 2013

(a) भाग-नौ-बी (b) भाग-आठ
(c) भाग-नौ (d) भाग-नौ-ए

उत्तर (c) व्याख्या :-
- भारतीय संविधान के **भाग-9 में पंचायती राज** से जुड़े प्रावधान हैं।
- संविधान में **भाग-9 को 73वें संशोधन अधिनियम, 1992** के ज़रिए जोड़ा गया था।

राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 राज्य में कब अस्तित्व में आया?

PTI (Grade-III)-25.9.2022

(a) 23 अप्रैल, 1994 (b) 23 अप्रैल, 1995
(c) 24 अप्रैल, 1994 (d) 24 अप्रैल, 1995

उत्तर (a) व्याख्या :-
- संसद द्वारा 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 पारित होने के पश्चात राज्यों को इस संशोधन के संदर्भ में स्थानीय शासन के अपने-अपने कानूनों में जरूरी बदलाव करने के लिए 1 वर्ष का समय दिया गया।
- राजस्थान में **23 अप्रैल, 1994** को **राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994** पारित किया।
- राजस्थान पंचायत राज (चुनाव) नियम, 1994 बनाये गये।
- तत्पश्चात पंचायती राज संस्थाओं के कार्यों की सुगमता हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम, **1996 बनाये** गये जो **30 दिसम्बर, 1996** को प्रभावी हुए।
- अनुसूचित क्षेत्रों में प्रशासन हेतु राजस्थान पंचायत **(अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) (पेसा) अधिनियम, 1999 लागू** किया गया।

◪ राजस्थान में स्थानीय स्वशासन विभाग, स्थानीय निकाय निदेशालय का कार्यालय कहाँ स्थित है?

EO & RO: 14.05.2023 (S-II)

(a) उदयपुर (b) जोधपुर
(c) कोटा (d) जयपुर

उत्तर (d) व्याख्या :-
- राजस्थान में **स्थानीय स्वशासन विभाग (Department of Local Self Government)** का **स्थानीय निकाय निदेशालय (Directorate of Local Bodies)** का मुख्यालय जयपुर में स्थित है।
- यह निदेशालय नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के प्रशासन और संचालन से संबंधित कार्यों का समन्वय करता है।

◪ निम्न में से किस शहर में पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र स्थित नहीं है?

II Grade (San. Dept.) -12.2.2023 (S-II)

(a) मंडोर (b) अजमेर
(c) सिरोही (d) डूंगरपुर

उत्तर (c) व्याख्या :-
- सिरोही में पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र स्थित नहीं है।
- **पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र-**

1. ग्राम सेवक प्रशिक्षण केंद्र- मण्डोर जोधपुर (15 अगस्त, 1960)
2. पंचायत प्रशिक्षण केंद्र- डूंगरपुर (03 फरवरी, 1994)
3. पंचायत प्रशिक्षण केंद्र- अजमेर (18 मई, 1996)
4. पंचायत प्रशिक्षण केंद्र- कोटा (अप्रैल 2014)
5. पंचायत प्रशिक्षण केंद्र- बीकानेर (मई 2014)
6. पंचायत प्रशिक्षण केंद्र- भरतपुर (दिसंबर 2016)

◪ भारतीय संविधान की कौन-सी अनुसूची पंचायतों की शक्तियों से संबंधित है?

द्वितीय श्रेणी शिक्षक -2014

(a) तीसरी (b) चौथी
(c) दसवीं (d) ग्यारहवीं

उत्तर (d) व्याख्या :-
- भारतीय संविधान की **ग्यारहवीं अनुसूची पंचायतों** की शक्तियों से संबंधित है।
- भारतीय संविधान की **तीसरी अनुसूची शपथ (प्रतिज्ञान)** के प्रारूप से संबंधित है।
- भारतीय संविधान की **चौथी अनुसूची राज्यसभा की सीटों का आवंटन** से संबंधित है।
- दसवीं अनुसूची को 52वें संविधान संशोधन, 1985 द्वारा जोड़ा गया है, जिसमें संसद व विधानसभा के सदस्यों की निरर्हता (अयोग्यता) के संबंध में उपबंध किए गए हैं।

◪ भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद ग्राम सभा के बारे में है?

III Grade (SST) -26.02.2023

(a) 243 D (b) 243 A
(c) 243 F (d) 243 C

उत्तर (b) व्याख्या :-

ग्राम सभा : अनुच्छेद-243 (A)
- **अनुच्छेद-243 (A) के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत क्षेत्र** के लिए **एक ग्राम सभा** होगी जिसके सदस्य उस पंचायत की परिधि में आने वाले गाँव या गाँवों से संबंधित मतदाता सूची में सूचीबद्ध व्यक्ति होंगे। ग्राम सभा में ही **प्रत्यक्ष जनतंत्र** की क्रियांविति होती है।

◪ **राजस्थान लोक सेवा आयोग का गठन हुआ-**
II Grade (Maths) Exam. 2011

(a) 20 अगस्त, 1949
(b) 1 नवम्बर, 1956
(c) 30 मार्च, 1948
(d) 26 जनवरी, 1950

उत्तर (a) व्याख्या :-

- राजस्थान लोक सेवा आयोग का गठन और स्थापना

1. **पृष्ठभूमि :** राजस्थान के एकीकरण के समय, कुल 22 प्रांत थे। इनमें से केवल तीन प्रांतों में ही लोक सेवा आयोग कार्यरत था:
1. जयपुर 2. जोधपुर 3. बीकानेर

2. **अधिसूचना : 16 अगस्त 1949** राजप्रमुख ने राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यादेश, 1949 (28वां) जारी किया।
20 अगस्त 1949: इसका प्रकाशन किया गया।

3. **स्थापना : 22 दिसंबर 1949**
राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई।

◪ **यह किस अनुच्छेद में कहा गया है, "इस अनुच्छेद के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संघ के लिए एक लोक सेवा आयोग और प्रत्येक राज्य के लिए एक लोक सेवा आयोग होगा''?**
II Grade GK-31.10.2018

(a) अनु. 174
(b) अनु. 248
(c) अनु. 315
(d) अनु. 310

उत्तर (c) व्याख्या :-

- संविधान के **14वें भाग में अनुच्छेद 315 से 323** में केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के साथ-साथ राज्य लोक सेवा आयोग का भी प्रावधान है।
- **अनुच्छेद 315-** राज्य लोक सेवा आयोग का गठन।
- **अनुच्छेद 316-** राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति एवं कार्यकाल।
- **अनुच्छेद 317-** राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को हटाना और निलंबित करना।
- **अनुच्छेद 318-** राज्य लोक आयोग के सदस्यों और कर्मचारियों की सेवा की शर्तों हेतु नियम बनाने की शक्ति।
- **अनुच्छेद 319-** राज्य लोक आयोग के सदस्यों द्वारा सदस्य न रहने पर पद धारण करने का प्रतिषेध।
- **अनुच्छेद 320-** राज्य लोक सेवा आयोगों के कार्यों का वर्णन।
- **अनुच्छेद 321-** राज्य लोक सेवा आयोगों के कार्यों का विस्तार करने की शक्ति।
- **अनुच्छेद 322-** राज्य लोक सेवा आयोगों के व्यय।
- **अनुच्छेद 323**- राज्य लोक सेवा आयोगों की रिपोर्ट।

अनुच्छेद 315 - संघ और राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग

- इस अनुच्छेद के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संघ के लिए एक लोक सेवा आयोग और प्रत्येक राज्य के लिए एक लोक सेवा आयोग होगा।

◪ **राज्य लोक सेवा आयोग के कर्मचारियों और सदस्यों की सेवा शर्तों को विनियमित करने की शक्ति संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है?**
RO & EO - 2023

(a) अनुच्छेद 319
(b) अनुच्छेद 318
(c) अनुच्छेद 315
(d) अनुच्छेद 317

उत्तर (b) व्याख्या :-

- अनुच्छेद-318 के अनुसार सदस्यों की संख्या व सेवा शर्तो का निर्धारण राज्यपाल के द्वारा किया जाता है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग .... से प्रभाव में आया।
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)
(a) 22 नवम्बर, 1949
(b) 22 दिसम्बर, 1949
(c) 22 जनवरी, 1950
(d) 22 फरवरी, 1950

उत्तर (b) व्याख्या :-
- अध्यादेश की धारा 1(3) के मुताबिक उक्त अध्यादेश आगामी उस तिथि को प्रभाव में आना बता रखा है जिस तिथि को नियुक्ति बाबत् नोटिफिकेशन का गजट में प्रकाशन होगा एवं 22 दिसम्बर, 1949 को राजपत्र में राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यादेश की धारा 1(3) की पालना में नोटिफिकेशन का गजट में प्रकाशन किया गया।
- अतः स्पष्ट है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग दिनांक **22 दिसम्बर, 1949** को अस्तित्व में आया था अर्थात् राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्थापना दिनांक **22 दिसम्बर, 1949** को हुई थी ।

राजस्थान राज्य के गठन के समय अनुबंध करने वाले कुल 22 प्रांतों में से मात्र.... में ही लोक सेवा आयोग कार्यरत थे?
III Grade (SST) -26.02.2023
(a) 1 (b) 4
(c) 2 (d) 3

उत्तर (d) व्याख्या :-
- भारत सरकार अधिनियम **1935 के अंतर्गत प्रांतों में लोक सेवा आयोगों की स्थापना की** गई।
- स्वतंत्रता से पूर्व राजस्थान की **तीन रियासतों में लोक सेवा आयोग कार्यरत** थे।
- जोधपुर रियासत में **लोक सेवा आयोग वर्ष 1939** में स्थापित हुआ।
- जयपुर रियासत ने वर्ष **1940 में लोक सेवा आयोग का गठन** किया।
- बीकानेर रियासत में **लोक सेवा आयोग का गठन वर्ष 1946** में हुआ।

राजस्थान लोक सेवा आयोग के बारे में सही कथन चुनकर उत्तर दें-
II Grade - 30.07.2023 (S-II)
1. राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यादेश 20 अगस्त, 1949 को प्रभाव में आया।
2. राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्थापना 22 दिसम्बर, 1949 को हुई थी।
3. जयपुर, जोधपुर और बीकानेर में लोक सेवा आयोग 16 अगस्त, 1949 को समाप्त कर दिये गये।
(a) केवल 1 सही है। (b) केवल 1 व 2 सही है।
(c) केवल 2 और 3 सही है। (d) 1, 2 और 3 सही है।

उत्तर (d) व्याख्या :-
- राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यादेश 16 अगस्त, 1949 को राजप्रमुख मानसिंह- II द्वारा जारी किया गया, जो 20 अगस्त, 1949 को प्रभाव में आया।
- राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्थापना 22 दिसम्बर, 1949 को हुई थी।
- स्वतंत्रता से पूर्व राजस्थान में जयपुर, जोधपुर एवं बीकानेर में लोक सेवा आयोग थे, जिन्हें 16 अगस्त, 1949 को समाप्त कर कर दिया गया।

निम्न में से कौन-सा कथन राजस्थान लोक सेवा आयोग के संबद्ध में गलत है?
द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती 2022- (ग्रुप C)
(a) इसकी स्थापना दिसंबर, 1949 को हुई।
(b) प्रारंभ में इसमें अध्यक्ष सहित चार सदस्य थे।
(c) 1951 में राजप्रमुख द्वारा आयोग के कार्यों को नियमित करने के उद्देश्य से विनियम पारित किये गए।
(d) मुख्य न्यायाधीश एस. के. घोष को इसका अध्यक्ष बनाया गया।

उत्तर (b) व्याख्या :-
राजस्थान लोक सेवा आयोग-
- स्थापना- 22 दिसंबर, 1949
- स्थापना के समय संरचना- 1 अध्यक्ष एवं 2 सदस्य (वर्तमान में 1 अध्यक्ष 10 सदस्य)
- मुख्यालय – अजमेर, पी. सत्यनारायण राव समिति की सिफारिश पर (गठन के समय जयपुर)
- प्रथम अध्यक्ष – एस. के. घोष

10 राज्य निर्वाचन आयोग

◪ राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के संबंध में कौन-सा/ से कथन सही है/हैं?
Assistant Professor-22.9.2021
R.A.S.-27.10.2021

1. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 243 ट के अधीन अप्रैल, 1994 में हुआ।
2. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग एकल सदस्यीय आयोग है, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा की जाती है।
3. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का एक सचिव है, जो राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है।

(a) केवल 1 (b) 1 एवं 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर:- (c) व्याख्या:-

राज्य निर्वाचन आयोग

- धारा 120, राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम 1994 के अंतर्गत।
- **आदेश जारी –** 17 जून 1994 (राज्यपाल बलिराम भगत के द्वारा अधिसूचना जारी कि गई)
- **कार्य प्रारम्भ –** 1 जुलाई 1994
- **मुख्यालय –** जयपुर

स्वरूप

- एक सदस्यीय निकाय → केवल राज्य निर्वाचन आयुक्त ही सदस्य होते हैं।
- यह निकाय संवैधानिक व स्वतंत्र है।
- राजस्थान राज्य चुनाव आयोग **की स्थापना जुलाई, 1994 में भारत के संविधान के अनुच्छेद 243** K **(ट) और 243**ZA **(य, क)** के तहत की गई थी।
- आयोग का मुख्य कार्य पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों के लिए चुनाव कराना तथा मतदाता सूचियों का निर्माण एवं पुनरीक्षण करना है, जिससे वह अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करता है।
- राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का एक सचिव है, जो राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है।

◪ राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयोग के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिये-
RAS Pre. 2023

(i) भारत के संविधान के अनुच्छेद 243 ट के अधीन जुलाई, 1994 में इसका गठन किया गया।
(ii) राज्य निर्वाचन आयुक्त के प्रधानत्व में यह एक सदस्यीय आयोग है।

(a) न तो (i) न ही (ii) सही है।
(b) (i) व (ii) दोनों सही हैं।
(c) केवल (ii) सही है।
(d) केवल (i) सही है।

उत्तर:- (b) व्याख्या:-

- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

◪ राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान से संबंधित निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए-
RAS 2021

(i) राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान का गठन दिसम्बर, 1994 में हुआ।
(ii) इसका एक सचिव होता है जो राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है।

कूटः
(a) केवल (i) सही है।
(b) केवल (ii) सही है।
(c) (i) और (ii) दोनों सही है।
(d) न तो (i) और न ही (ii) सही है।

उत्तर:- (b) व्याख्या:-

- राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान का गठन दिसम्बर, 1994 में नहीं बल्कि जुलाई, 1994 में हुआ था, इसलिए कथन (i) गलत है।
- इसका एक सचिव होता है जो राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है। यह कथन सही है।

◪ **भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत राजस्थान राज्य चुनाव आयोग की स्थापना हुई?**

राजस्थान पु. कॉन्स्टेबल-15.7.2018 (I)

Asst. Jailer-15.3.2016

(a) अनुच्छेद 243 Z (b) अनुच्छेद 243 K
(c) अनुच्छेद 243 A (d) अनुच्छेद 243 C

उत्तर:- (b) व्याख्या:-
- राज्य चुनाव आयोग (एसईसी), राजस्थान का **गठन जुलाई, 1994 में** भारत के संविधान के **अनुच्छेद 243K तथा अनुच्छेद 243 (ZA) के तहत** किया गया था। राज्य चुनाव आयोग एक एकल सदस्यीय आयोग है जिसका नेतृत्व राज्य चुनाव आयुक्त करते हैं।

◪ **राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) राजस्थान का गठन भारत के संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा किया गया था?**

PATWAR - 17.08.2025 (1st Shift)

(a) अनुच्छेद 243K (b) अनुच्छेद 143K
(c) अनुच्छेद 115A (d) अनुच्छेद 249K

उत्तर (a) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

◪ **राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का गठन हुआ-**

कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) - 30.5.2019

उद्योग निरीक्षक-24.6.2018

राज.पुलिस -14.07.2018 (II), 08.11.2020 (II)

EO & RO: 14.5.2023 (S-II)

जेल प्रहरी 28-10-2018, S-II

राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल- 16.05.2022 (II)

(a) जून, 1993 को (b) जुलाई, 1994 को
(c) अगस्त, 1995 को (d) सितम्बर, 1996 को

उत्तर (b) व्याख्या :-
- **गठन**- राज्य चुनाव आयोग, राजस्थान का गठन जुलाई, 1994 में हुआ था।
- **संवैधानिक आधार-** आयोग का गठन भारत के संविधान के अनुच्छेद 243K और 243ZA के प्रावधानों के अंतर्गत किया गया।
- **संरचना-** यह आयोग एक एकल सदस्यीय निकाय है।
- **नेतृत्व-** आयोग का संचालन राज्य चुनाव आयुक्त द्वारा किया जाता है, जो आयोग के प्रमुख होते हैं।
- **भूमिका-** आयोग का मुख्य कार्य राज्य में पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है।

◪ **राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयोग के बारे में सही कथनों पर विचार कर उत्तर दीजिए-**

RAS Pre Exam-19.11.2013

(1) इसका गठन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243K के अन्तर्गत जुलाई, 1994 में किया गया।
(2) यह एक बहुसदस्यीय आयोग है जिसका प्रमुख राज्य निर्वाचन आयुक्त होता है।
(3) इसका एक सचिव होता है जो राज्य का राज्य निर्वाचक अधिकारी भी होता है।
(4) यह पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के लिए मतदाता सूचियों को तैयार करता है एवं चुनाव करवाता है।

(a) (1) एवं (4)
(b) (2) एवं (4)
(c) (1), (3) एवं (4)
(d) (1), (2), (3) एवं (4)

उत्तर (c) व्याख्या :-
- राज्य निर्वाचन आयोग का गठन एक एकल सदस्यीय संरचना के रूप में किया जाता है।
- इस आयोग का प्रमुख अधिकारी राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत होता है।
- इसका गठन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243K के अन्तर्गत जुलाई, 1994 में किया गया। यह कथन सही है।
- इसका एक सचिव होता है, जो राज्य का राज्य निर्वाचक अधिकारी भी होता है। यह कथन भी सही है।
- राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के लिए मतदाता सूचियों को तैयार करता है एवं चुनाव करवाता है।

नोट- राज्य निर्वाचन आयोग का मुख्यालय जयपुर में है।

11 राज्य सूचना आयोग

◪ **राजस्थान सूचना आयोग का गठन कब हुआ था?**

प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) - 12.03.2021
पटवार-23.10.2021
JEN (Electric) Degree - 18.5.2022
RAS-28.08.2016
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)

(a) 18 अप्रैल, 2005 (b) 18 अप्रैल, 2007
(c) 18 अप्रैल, 2006 (d) 18 अप्रैल, 2008

उत्तर (c) व्याख्या :-

- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अध्याय-4 तथा धारा 15 के तहत राज्य सूचना आयोग का गठन किया गया है।
- **18 अप्रैल, 2006** को आयोग का गठन हुआ। (राजपत्र में अधिसूचित **13 अप्रैल, 2006)**
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में उल्लिखित मामलों के संबंध में अंतिम अपीलीय प्राधिकारी है। इसके निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होंगे।

◪ **राजस्थान सूचना आयोग (आरआईसी) का गठन कब किया गया था?**

4th Grade - 2nd Shift - 19.09.2025

(a) 2008 (b) 2006
(c) 2007 (d) 2009

उत्तर (b) व्याख्या :-

- राजस्थान सूचना आयोग (आरआईसी) का गठन **18 अप्रैल, 2006** को किया गया था। राजस्थान राज्य सूचना आयोग का **मुख्यालय जयपुर** में स्थित है।
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में उल्लिखित मामलों के संबंध में अंतिम अपीलीय प्राधिकारी है। इसके निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होंगे।

◪ **निम्न में से राज्य सूचना आयोग राजस्थान के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है?**

Industry Inspector 2018

(1) यह एक सांविधिक (legal) निकाय है।
(2) यह स्वायत्तशासी निकाय है।
(3) इसका गठन 18 अप्रैल, 2005 को हुआ था।
सही कूट चुनें-

(a) सिर्फ (1) (b) सिर्फ (1) व (2)
(c) (1), (2) व (3) (d) सिर्फ (3)

उत्तर (b) व्याख्या :-

- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 के तहत राजस्थान राज्य सूचना आयोग का गठन किया गया, इसलिए यह सांविधिक (legal) निकाय है।
- राज्य सूचना आयोग एक सांविधिक और पूर्णतः स्वायत्तशासी निकाय है, जिसे अपने कार्यों के निष्पादन के लिए किसी अन्य प्राधिकरण से निर्देश लेने की आवश्यकता नहीं होती।
- राजस्थान सूचना आयोग (आरआईसी) का गठन **18 अप्रैल, 2006** को किया गया था।
- आयोग का **मुख्यालय जयपुर** में स्थित है।

◪ **सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत कितने प्रकार के सूचना आयोग के गठन का प्रावधान है?**

4th Grade - 1st Shift - 21.09.2025

(a) 5 (b) 4
(c) 2 (d) 3

उत्तर (c) व्याख्या :-

- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत दो प्रकार के सूचना आयोगों के गठन का प्रावधान है- केंद्रीय सूचना आयोग (Central Information Commission) और राज्य सूचना आयोग (State Information Commission)
- केंद्रीय सूचना आयोग केंद्र सरकार के अंतर्गत सभी केंद्रीय लोक प्राधिकरणों पर अधिकारिता रखता है, जबकि राज्य सूचना आयोग संबंधित राज्य के लोक प्राधिकरणों के अंतर्गत कार्य करता है।

◪ निम्नलिखित में से कौन-सा निकाय राजस्थान में आर टी आई अधिनियम (2005) से संबंधित मामलों के लिए अंतिम अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है?

4th Grade - 2nd Shift - 21.09.2025

(a) सूचना संगठन, राजस्थान
(b) राजस्थान राज्य सूचना आयोग
(c) राजस्थान राज्य आर.टी.आई. बोर्ड
(d) राजस्थान राज्य सूचना परिषद्

उत्तर (b) व्याख्या :-

- राजस्थान में सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत मामलों के लिए अंतिम अपीलीय प्राधिकारी राजस्थान राज्य सूचना आयोग है।

◪ राजस्थान राज्य के प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त कौन थे?

Patwari Pre. 2021

(a) श्री एन. के. जैन (b) श्री अमरजीत सिंह
(c) श्री एम. डी. कौरानी (d) श्री इन्द्रजीत खन्ना

उत्तर (c) व्याख्या :-

क्र.स.	मुख्य सूचना आयुक्त	कार्यकाल
1.	एम. डी. कोरानी	18.04.2006 से 17.04.2011
2.	टी. श्री निवासन	05.09.2011 से 13.08.2015
3.	सुरेश कुमार चौधरी	06.11.2015 से 25.12.2018
4.	श्री देवेन्द्र भूषण गुप्ता	11.12.2020 से दिसम्बर 2023
5.	श्री मोहन लाल लाठर	09.07.2024 से वर्तमान तक

◪ राजस्थान राज्य के प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त कौन थे?

PATWAR - 17.08.2025 (1st Shift)

(a) श्री अमरजीत सिंह (b) श्री एम.डी. कौरानी
(c) श्री इन्द्रजीत खन्ना (d) श्री एन.के. जैन

उत्तर (b) व्याख्या :-

- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

◪ मार्च, 2022 तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त कौन हैं?

राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)

(a) रामकुमार शर्मा (b) देवेन्द्र भूषण गुप्ता
(c) नीरज वर्मा (d) उपेन्द्र सिंह

उत्तर (b) व्याख्या :-

- मार्च 2022 तक, राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त देवेंद्र भूषण गुप्ता (डी.बी. गुप्ता) थे।

◪ राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल होता है?

जेल प्रहरी परीक्षा - 2017

(a) 6 वर्ष (आयु की कोई सीमा नहीं)
(b) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो
(c) 5 वर्ष (आयु की कोई सीमा नहीं)
(d) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो

उत्तर (b) व्याख्या :-

- राज्य मुख्य सूचना आयुक्त (अध्यक्ष) एवं अन्य राज्य सूचना आयुक्त के (सदस्यों) का कार्यकाल **केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित** किया जाएगा। (सूचना का अधिकार संशोधन अधिनियम, 2019 के तहत)
- **नोट-** ये पुनर्नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

नोट - 2019 में संशोधन से पूर्व **5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु दोनों** में से जो भी पहले हो, था।

◪ कौन-सा एक राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए गठित समिति का सदस्य नहीं होता हैं?

RAS-19.11.2013

JEN (Civil) Degree - 18.05.2022

(a) राज्य का मुख्यमंत्री जो समिति का मुखिया होता है।
(b) राज्यपाल द्वारा नामनिर्देशित उच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश
(c) राज्य विधान सभा में विरोधीदल का नेता
(d) मुख्यमंत्री द्वारा नामनिर्देशित एक मंत्रिमण्डलीय मंत्री

उत्तर (b) व्याख्या :-

- धारा-15 के तहत मुख्य आयुक्त एवं अन्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक समिति की सिफारिश के आधार पर की जाती है।
- इस समिति में मुख्यमंत्री, (अध्यक्ष) एक कैबिनेट मंत्री (अधिकांशत: गृहमंत्री) तथा विधानसभा में विपक्ष का नेता शामिल होते हैं।

राज्य वित्त आयोग

◪ **राजस्थान के राज्य वित्त आयोग के बारे में असत्य को छाँटिए-**

RAS 2013

(a) इसका गठन भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 243-I** के अन्तर्गत 24 अप्रैल, 1994 में किया गया।

(b) यह एक बहुसदस्यीय आयोग है जिसमें अध्यक्ष सहित चार अन्य सदस्य होते हैं।

(c) राज्यपाल इस आयोग के संगठन, सदस्यों की योग्यताओं एवं नियुक्ति की प्रक्रिया का निर्धारण करता है।

(d) आयोग पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय नियमों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करेगा।

उत्तर (c) व्याख्या :-

- संविधान के अनुच्छेद 243 (I) तथा 243 (Y) में राज्य वित्त आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है।
- राजस्थान के प्रथम राज्य वित्त आयोग का गठन **24** अप्रैल**, 1994** को**,** जिसने **1** अप्रेल**, 1995** से कार्य प्रारम्भ किया।
- राजस्थान राज्य वित्त आयोग एक बहुसदस्यीय निकाय है जिसमें एक अध्यक्ष व अधिकतम चार सदस्य हो सकते है।

नियुक्ति : राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है**,** मंत्रिपरिषद की सलाह से। (सदस्यों की संख्या का निर्धारण राज्यपाल करता है)

कार्यकाल : 5 वर्ष (इसमें अधिकतम व न्यूनतम आयु का प्रावधान नहीं है)।

त्यागपत्र : राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष व सदस्य अपना त्यागपत्र राज्यपाल को देते है।

हटाने की प्रक्रिया : अध्यक्ष व सदस्यों को राज्य सरकार (मंत्रिपरिषद) की अनुशंसा पर राज्यपाल द्वारा हटाया जाता है।

वार्षिक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) : राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल को देते है**,** राज्यपाल इस वार्षिक प्रतिवेदन को राज्य विधानमण्डल के समक्ष रखवाता है।

कार्य

- राज्य की विभिन्न स्थानीय निकायों पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों की आर्थिक स्थिति (वित्तीय स्थिति) की समय-समय पर समीक्षा करना।
- राज्य की संचित निधि से राज्य में विभिन्न पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों को धन का आवंटन करना ।
- वित्तीय मुद्दों के संबंध में राज्य और केंद्रीय सरकार के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करना।
- राज्य सरकार द्वारा कर, फीस, टोल के रूप में ली गई निधि या राजस्व आय में से पंचायती राज एवं नगरीय निकायों को धन वितरण।
- स्थानीय निकायों द्वारा कौन-कौन से कर, चुंगी, टोल, शुल्क का संग्रहण करना चाहिए, इसकी सिफारिश करना।

◪ **राजस्थान के छठे राज्य वित्त आयोग के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है?**

Assit. Prof. 2023

(a) आयोग के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह थे।

(b) अशोक लाहोटी आयोग के सदस्य थे।

(c) आयोग का गठन दिसंबर, 2020 में संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत किया गया था।

(d) अंतिम रिपोर्ट सितंबर, 2023 में राजस्थान के राज्यपाल को प्रस्तुत की गई।

उत्तर (c) व्याख्या :-

छठा वित्त आयोग-

- अध्यक्ष – श्री प्रद्युम्न सिंह
- **सदस्य –**
  (1) लक्ष्मण सिंह (2) अशोक लाहोटी
- सचिव – श्री सतीश चंद्र देराश्री
- गठन - 12 अप्रैल, 2021
- अवधि – **1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2025 तक**
- **अंतिम प्रतिवेदन -** इस आयोग ने अंतिम रिपोर्ट सितम्बर, 2023 में राज्यपाल को दी,

जिसकी सिफारिशें निम्नलिखित हैं –

- **राज्य के स्वयं के शुद्ध कर राजस्व का 6.75% हिस्सा स्थानीय स्वशासन को प्रदान करें-**

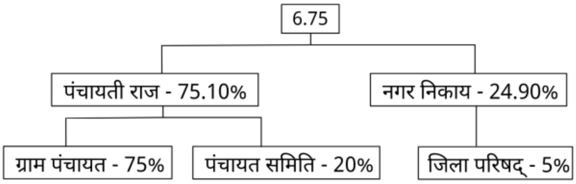

ग्राम पंचायते प्राप्त धन को निम्न प्रकार से व्यय करेगी :-

- 55% राशि - आधारभूत विकास (सड़क, नाली, पेयजल, श्मशान, स्वच्छता)
- 40% राशि - केन्द्र व राज्य की योजना के क्रियान्वयन में।
- 05% राशि - कार्यक्रम या अन्य कार्यों में खर्च।

निम्न में से किसको राजस्थान में 6वें वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है?

संगणक-03.03.2024, संगणक परीक्षा - 2021
CET -11.2.2023 (S-II), CET: 07.01.2023 (S-II)

(a) मोहन कृष्ण बोहरा
(b) हेम सिंह शेखावत
(c) भँवर लाल शर्मा
(d) प्रद्युम्न सिंह

उत्तर (d) व्याख्या :-

छठा वित्त आयोग-

- अध्यक्ष – श्री प्रद्युम्न सिंह
- **सदस्य –**
  (1) लक्ष्मण सिंह
  (2) अशोक लाहोटी
- सचिव – श्री सतीश चंद्र देराश्री

सातवा वित्त आयोग-

अध्यक्ष: अरुण चतुर्वेदी
सचिव सदस्य: नरेश कुमार ठकरवाल
कार्यकाल: 1 अगस्त 2025 से 31 मार्च 2030
उद्देश्य: पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करना और उनकी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए नीतियों और उपायों की सिफारिश करना।

राजस्थान के छठे राज्य वित्त आयोग के बारे में कौन-सा कथन सही नहीं है?

Asst. Professor-7.1.2024

(a) आयोग का गठन दिसम्बर, 2020 में संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत किया गया था।
(b) अशोक लाहोटी आयोग के सदस्य थे।
(c) आयोग के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह थे।
(d) अंतिम रिपोर्ट सितम्बर, 2023 में राजस्थान के राज्यपाल को प्रस्तुत की गई।

उत्तर (a) व्याख्या :-

- छठे राज्य वित्त आयोग का गठन 12 अप्रैल, 2021 को किया गया था।
- इस आयोग के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह थे।
- सदस्य – लक्ष्मण सिंह और अशोक लाहोटी।
- इस आयोग द्वारा अंतिम रिपोर्ट सितम्बर, 2023 में राजस्थान के राज्यपाल को प्रस्तुत की गई।

आजकल राजस्थान में कौन-सा 'राज्य वित्त आयोग' कार्य कर रहा है?

कनिष्ठ लेखाकार - 11.02.2024

(a) छठा (b) पाँचवाँ
(c) सातवाँ (d) चौथा

उत्तर (a) व्याख्या :-

- प्रश्नकाल के अनुसार (वर्तमान में) छठा राज्य वित्त आयोग कार्य कर रहा है, जिसके अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह है।
- कार्यकाल – अप्रैल, 2020 से मार्च, 2025 तक।
- रिपोर्ट सितंबर, 2023 में राज्यपाल को सौंपी।

राजस्थान के चौथे वित्त आयोग के अध्यक्ष कौन है?

RAS 2013

(a) प्रभा ठाकुर (b) बी. डी. कल्ला
(c) मानकचन्द सुराणा (d) वी.एस. व्यास

उत्तर (b) व्याख्या :-

चौथा राज्य वित्त आयोग

- गठन - 13 अप्रैल, 2011
- कार्यकाल – 1 अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2015
- अध्यक्ष – बी. डी. कल्ला
- सिफारिश- राज्य के शुद्ध कर राजस्व का 5% स्थानीय निकायों को वितरण।
- तीसरे राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष माणिकचन्द सुराणा थे।

राज्य मानवाधिकार आयोग

राजस्थान की राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन की अधिसूचना कब जारी की?

II Grade GK (संस्कृत शिक्षा)-17.02.2019
द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-01.05.2017
जेल प्रहरी-2017
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022

(a) 16 मार्च, 2001
(b) 17 जनवरी, 1998
(c) 19 फरवरी, 1997
(d) 18 जनवरी,1999

उत्तर (d) व्याख्या :-
- राजस्थान की राज्य सरकार ने **18** जनवरी**, 1999** को एक अधिसूचना राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन के संबंध में जारी की**,** जिसमें मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम**, 1993** के प्रावधानुसार **एक पूर्णकालिक अध्यक्ष एवं चार सदस्य रखे गये।**
- अध्यक्ष एवं चार सदस्यों की नियुक्ति कर आयोग का गठन किया गया और **23 मार्च**, **2000** से यह आयोग क्रियाशील हो गया था।
- मानव अधिकार संरक्षण (संशोधित) अधिनियम**, 2006** के अनुसार राज्य मानवाधिकार आयोग में **एक अध्यक्ष और दो सदस्यों का प्रावधान किया गया** है।

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग की स्थापना किस वर्ष हुई?

द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती 2013

(a) 1995 में
(b) 2000 में
(c) 2001 में
(d) 2005 में

उत्तर (b) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन किस अधिनियम के अन्तर्गत किया गया?

PSI 13.9.2021

(a) मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1991
(b) मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1992
(c) मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993
(d) मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1995

उत्तर (c) व्याख्या :-
- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन **12 अक्टूबर, 1993** को हुआ था।
- आयोग का अधिदेश, मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथासंशोधित मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 में निहित है।

मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के कौन-से अध्याय में राज्य मानवाधिकार आयोग संबंधी प्रावधान किये गये हैं?

Protection Officer -28.01.2023

(a) अध्याय-IV
(b) अध्याय-V
(c) अध्याय –VIII
(d) अध्याय-VII

उत्तर (b) व्याख्या :-
- मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के **अध्याय - V में** राज्य मानवाधिकार आयोग संबंधी प्रावधान किये गये हैं।
- राज्य सरकार इस अध्याय के अंतर्गत राज्य आयोग को प्रदत्त शक्तियों के उपयोग और सौंपे गए कार्यों के पालन हेतु (राज्य का नाम) मानव अधिकार आयोग नामक एक निकाय का गठन कर सकती है।

राजस्थान मानव अधिकार आयोग अस्तित्व में आया–

द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती 2016-(ग्रुप B)

(a) 2 अक्टूबर, 1990 को
(b) 18 जनवरी, 1999 को
(c) 26 जनवरी, 1995 को
(d) 10 दिसम्बर, 1998 को

उत्तर (b) व्याख्या :-
- राजस्थान की राज्य सरकार ने **18** जनवरी**, 1999** को एक अधिसूचना राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन के संबंध में जारी की।

राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के अधिनियम किस दिनांक उपरांत लागू हुए?

Assit. Prof. III 2023

(a) 19 जनवरी, 2001 से
(b) 19 अगस्त, 2001 से
(c) 19 जून, 2001 से
(d) 19 मार्च, 2000 से

उत्तर (a) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग ने कब से कार्य करना आरम्भ किया?

II Grade (Urdu) 2011
Asst. Professor-7.1.2024
राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-14.7.2018 (II)
Police Constable-2007 (1)
द्वितीय श्रेणी शिक्षक-2014

(a) अप्रैल, 2011
(b) मार्च, 2000
(c) मार्च, 2002
(d) जून, 1999

उत्तर (b) व्याख्या :-
- राजस्थान सरकार ने 18 जनवरी, 1999 को एक अधिसूचना जारी कर राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन की घोषणा की।
- आयोग का गठन मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अंतर्गत किया गया।
- आयोग में एक पूर्णकालिक अध्यक्ष तथा चार सदस्य नियुक्त किए गए।
- (2006 में संशोधन के बाद 1 अध्यक्ष व 2 सदस्य होते हैं।)
- आयोग का गठन पूरा होने के बाद यह 23 मार्च, 2000 से औपचारिक रूप से क्रियाशील हो गया।

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के बारे में क्या सत्य नहीं है?

RAS (2013) 2015

(1) आयोग ने मई, 2000 से पूर्णतया कार्य करना शुरू किया।
(2) आयोग में एक पूर्णकालिक अध्यक्ष और दो सदस्य हैं।
(3) आयोग के अध्यक्ष उच्च न्यायालय के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश हो सकते हैं।
(4) जुलाई, 2000 से जुलाई, 2005 तक न्यायाधीश ए.एस. गोदारा आयोग के अध्यक्ष थे।

(a) 1, 2, 3 व 4 (b) 1, 3 व 4
(c) 2, 3 व 4 (d) 2 व 3

उत्तर (c) व्याख्या :-
- आयोग ने **मार्च, 2000 से पूर्णतया कार्य** करना शुरू किया। आयोग में **एक पूर्णकालिक अध्यक्ष और दो सदस्य** हैं।
- राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के पद पर केवल किसी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या अन्य न्यायाधीश (2019 में संशोधन के बाद) को ही नियुक्त किया जा सकता है।
- 7 जुलाई, 2000 से 6 जुलाई, 2005 तक न्यायाधीश ए.एस. गोदारा आयोग के सदस्य थे।

निम्नांकित कथनों को पढ़िए और सही कथन/कथनों को नीचे दिए गए कूट में से चिन्हित कीजिए-

2nd Grade 2024 1st Paper – GK

(1) राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग अगस्त, 2000 से क्रियाशील हुआ।
(2) वर्तमान में, श्री अशोक कुमार गुप्ता राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के एकमात्र सदस्य है।
(3) राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के 'विनियम 2001 वर्ष से प्रभावी हुए।

(a) केवल (3) सही है। (b) केवल (1) सही है।
(c) केवल (2) और (3) सही हैं।
(d) केवल (2) सही है।

उत्तर (a) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

लोकायुक्त

लोकायुक्त संस्था है -

कर सहायक परीक्षा-14.10.2013

(a) सांविधिक एवं सलाहकारी संस्था
(b) सांविधिक एवं न्यायिक संस्था
(c) संवैधानेत्तर एवं सलाहकारी संस्था
(d) संवैधानेत्तर एवं न्यायिक संस्था

उत्तर (a) व्याख्या:-

- लोकायुक्त **एक सांविधिक एवं सलाहकारी संस्था** है।
- यह संस्था राज्य स्तर पर सरकारी अधिकारियों और लोक सेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जाँच और शिकायतों के निवारण के लिए बनाई जाती है।
- लोकायुक्त को कानून द्वारा स्थापित किया गया है, इसलिए यह **सांविधिक (Statutory)** संस्था है।
- इसका **कार्य सलाहकारी (Advisory)** होता है, क्योंकि यह अनुशंसा करता है लेकिन निर्णय लागू नहीं कर सकता है।

राजस्थान में लोकायुक्त संस्थान का गठन किस अधिनियम के अन्तर्गत किया गया?

राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)

(a) राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1970
(b) राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973
(c) राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1976
(d) राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम,1980

उत्तर (b) व्याख्या:-

- राजस्थान में लोकायुक्त संस्थान का गठन **राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के अंतर्गत** किया गया था।
- राजस्थान लोकायुक्त तथा उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 (अधिनियम सं. 9 सन् 1973) द्वारा राजस्थान के मंत्रियों, सचिवों, राजकीय प्रतिष्ठानों के अध्यक्षों, स्वायत्त शासन संस्थाओं के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, प्रमुखों, प्रधानों एवं अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग एवं अकर्मण्यता की जाँच के लिए स्थापित यह एक उच्चस्तरीय वैधानिक एवं स्वतंत्र संस्थान है।

राजस्थान लोकायुक्त और उपलोकायुक्त अधिनियम को राष्ट्रपति की स्वीकृति कब प्राप्त हुई?

राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (I)
VDO-28.12.2021 (S-II)

(a) 1983 (b) 1977
(c) 1973 (d) 1985

उत्तर (c) व्याख्या:-

- राजस्थान में लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम, 1973 पारित किया गया जो **3 फरवरी, 1973** को लागू हुआ।
- इस अधिनियम को राष्ट्रपति ने 26 मार्च, 1973 को स्वीकृति दी एवं 27 मार्च, 1973 को यह राजपत्र में प्रकाशित हुआ।
- प्रथम लोकायुक्त **आई. डी. दुआ** (28.08.1973) बने।
- प्रथम उपलोकायुक्त **के. पी. यू. मेनन** बने।

राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम 1973 लागू हो गया है:

PATWAR - 17.08.2025 (1st Shift)

(a) 3 जनवरी, 1973
(b) 3 मई, 1973
(c) 3 जून, 1973
(d) 3 फरवरी, 1973

उत्तर (d) व्याख्या:-
- राजस्थान में लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम, 1973 पारित किया गया जो **3 फरवरी, 1973 को प्रभावी** हुआ।
- राजस्थान प्रशासनिक सुधार समिति, 1973 की सिफारिश पर वर्ष 1973 में सर्वोच्च न्यायालय के **सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति श्री आई. डी. दुआ को प्रथम लोकायुक्त** व श्री के.पी.यू. मेनन को प्रथम उपलोकायुक्त बनाया गया।

राजस्थान में लोकायुक्त का पद कब सृजित हुआ था?

CET: 04.02.2023 (S-I)

(a) 1982
(b) 1973
(c) 1992
(d) 1977

उत्तर (b) व्याख्या:-
- राजस्थान में लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम, 1973 के तहत **वर्ष 1973 में लोकायुक्त का पद सृजित** हुआ था।
- राजस्थान लोकायुक्त का मुख्यालय – जयपुर
- उड़ीसा – लोकायुक्त विधेयक लाने वाला प्रथम राज्य
- महाराष्ट्र – लोकायुक्त संस्था बनाने वाला प्रथम राज्य (1972)

राजस्थान के पहले लोकायुक्त कौन थे?

CET: 04.02.2023 (S-II)
राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.2018 (I)
सूचना सहायक-21.01.2024
उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018

(a) वी. एस. दवे
(b) डी. पी. गुप्ता
(c) एम. एल. जोशी
(d) आई. डी. दुआ

उत्तर (d) व्याख्या:-
- वर्ष 1973 में राजस्थान प्रशासनिक सुधार समिति की सिफारिश के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति **श्री आई. डी. दुआ को राज्य का प्रथम लोकायुक्त** तथा **श्री के.पी.यू. मेनन को प्रथम उपलोकायुक्त नियुक्त** किया गया।

निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

पटवार-24.10.2021 (Shift -I)
कॉलेज व्याख्याता - 2016

(1) राजस्थान में लोकायुक्त संस्था की स्थापना वर्ष 1973 में की गई थी।
(2) न्यायमूर्ति आई.डी. दुआ राजस्थान राज्य के पहले लोकायुक्त थे।

(a) केवल 1 सही है।
(b) केवल 2 सही है।
(c) 1 व 2 दोनों सही हैं।
(d) 1 व 2 दोनों गलत हैं।

उत्तर (c) व्याख्या:-
- राजस्थान में लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम, 1973 पारित किया गया, जो 3 फरवरी, 1973 को प्रभावी हुआ, इसलिए कथन 1 भी सही है।
- न्यायमूर्ति आई.डी. दुआ राजस्थान राज्य के पहले लोकायुक्त थे। यह कथन सही है। (28 अगस्त, 1973 को नियुक्ति)

अक्टूबर, 2023 में नियुक्त राजस्थान के 13वें (तेरहवें) लोकायुक्त है-

संविदा नर्स - 03.02.2024
CET: 08.01.2023 (S-II)] [PSI-15.09.2021

(a) न्यायमूर्ति एस. एस. कोठारी
(b) न्यायमूर्ति प्रताप कृष्ण लोहरा
(c) न्यायमूर्ति जी. एल. गुप्ता
(d) न्यायमूर्ति मिलाप चन्द जैन

उत्तर (b) व्याख्या:-
- अक्टूबर, 2023 में नियुक्त राजस्थान के 13वें (तेरहवें) लोकायुक्त (पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय) **न्यायमूर्ति प्रताप कृष्ण लोहरा** हैं।

राज्य महिला आयोग

◪ किस वर्ष में राजस्थान राज्य महिला आयोग की स्थापना हुई?

VDO-28.12.2021 (S-I)

(a) 1996 (b) 1997
(c) 1998 (d) 1999

उत्तर (d) व्याख्या :-
- राजस्थान सरकार द्वारा **वर्ष 1999 में राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम पारित किया** गया।
- इसी अधिनियम की धारा 3 के आधार पर राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर **15 मई, 1999 को राज्य महिला आयोग का गठन किया** गया।
- राज्य में महिला दिवस के मौके पर **8 मार्च, 2000** को **राज्य महिला नीति** भी घोषित की गई।

आयोग के उद्देश्य-
- राजस्थान राज्य भर में पीड़ित महिलाओं की शिकायतों का निवारण।
- राज्य भर में महिलाओं के हितों की रक्षा।
- महिलाओं से संबंधित प्रचलित कानूनों की समीक्षा और महिलाओं को न्याय दिलाने के उद्देश्य से सरकार से संशोधन का अनुरोध करना।
- उपचारात्मक विधायी उपायों की सिफारिश।
- महिलाओं को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों पर राजस्थान सरकार को सलाह।

◪ राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम किस वर्ष पारित किया गया था?

राज. पुलिस कॉन्स्टेबल -14.09.2025

(a) 1990 (b) 1999
(c) 2001 (d) 2003

उत्तर (b) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

◪ फरवरी, 2022 में राजस्थान राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया?

वनपाल-6.11.2022 (S-I)

(a) सुमन शर्मा (b) अन्जना मेघवाल
(c) सुमित्रा जैन (d) रेहाना रियाज चिश्ती

उत्तर (d) व्याख्या :-

राज्य महिला आयोग के पूर्व अध्यक्ष		
क्र.	**अध्यक्ष**	**कार्यकाल**
1.	श्रीमती कांता कथूरिया	25/05/1999 - 24/05/2002
2.	प्रो. पवन सुराणा	28/01/2003 - 27/01/2006
3.	श्रीमती तारा भंडारी	15/04/2006 - 14/04/2009
4.	प्रो. लाड कुमारी जैन	24/11/2011 - 23/11/2014
5.	श्रीमती सुमन शर्मा	20/10/2015 - 19/10/2018
6.	श्रीमती रेहाना रेयाज़ चिश्ती (वर्तमान)	11/02/2022 से वर्तमान तक
–	दो बार राज्य महिला आयोग की सदस्य रही – दमयन्ती बकोलिया, सुनीता सत्यार्थी।	

◪ राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर कौन आसीन नहीं रहा?

VDO-27.12.2021 (S-II)

(a) लाड कुमारी जैन
(b) गिरिजा व्यास
(b) तारा भण्डारी
(d) कांता कथूरिया

उत्तर (b) व्याख्या :-
- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

निम्नांकित में से कौन राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष नहीं रही हैं?

Asst. Professor-7.1.2024

(a) लाड कुमारी जैन
(b) सुमन शर्मा
(c) नगेन्द्र बाला
(d) पवन सुराणा

उत्तर (c) व्याख्या :-

- राज्य की पहली महिला जिला प्रमुख नगेन्द्र बाला महिला आयोग की सदस्य रही है, अध्यक्ष नहीं।

राजस्थान राज्य महिला आयोग के संबंध में कौन-सा /कौन-से कथन सत्य है/हैं?

VDO-27.12.2021 (S-I)

1. आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है।
2. आयोग का गठन 15 मई, 1999 को हुआ।
3. यह गैर-संवैधानिक व परामर्शकारी निकाय है।
4. इसका कार्य महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें सुनना तथा उनकी जाँच करना है।

(a) 1, 2, 3
(b) 2, 3, 4
(c) 1, 2
(d) 1, 2, 3, 4

उत्तर (b) व्याख्या :-

- **गठन (धारा-3)-**15 मई, 1999
  मुख्यालय-जयपुर
- राज्य महिला आयोग अधिनियम 1999 की धारा 3 में संरचना का उल्लेख ।
- **संरचना (धारा-3)** 1 अध्यक्ष 4 सदस्य (सदस्य सचिव सहित)
  कार्यकाल (धारा-4)-3 वर्ष
  त्यागपत्र (धारा-4)- राज्य सरकार को
  गणपूर्ति -3 व्यक्ति (अध्यक्ष सहित)
  नियुक्ति (धारा-3)- राज्य सरकार (मुख्यमंत्री) द्वारा
  बैठक-कम से कम 2 माह में 1 बार।
  वेतन-सेवा शर्तें (धारा-4) - राज्य सरकार द्वारा निर्धारित ।
  पद से हटाना (धारा-8)- राज्य सरकार (मुख्यमंत्री द्वारा)

हटाने के कारण :

(1) लगातार 3 बैठक से अनुपस्थित रहने पर।
(2) दिवालिया
(3) असमर्थता
(4) भ्रष्टाचार
(5) विकृत चित के आधार पर

वार्षिक रिपोर्ट (धारा-14) - राज्य सरकार को। राज्य सरकार ने आयोग की सिफारिशों के 3 माह के भीतर उस पर क्या कार्यवाही की उसकी सूचना आयोग को देगी।

शक्तियाँ (धारा 10) - सिविल कोर्ट के समान शक्तियाँ प्राप्त है।

राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम, 1999 की कौन-सी धारा में आयोग के कार्य उल्लेखित हैं?

Assit. Prof. III 2023

(a) धारा 11 में
(b) धारा 12 में
(c) धारा 13 में
(d) धारा 10 में

उत्तर (a) व्याख्या :-

- राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम, 1999 की धारा 11 में आयोग के कार्य उल्लेखित हैं-

आयोग के कार्य निम्नलिखित हैं-

- अधिनियम की धारा 11 के अनुसार आयोग के निम्नलिखित कार्य हैं-

विज्ञापन

सफलता की चाबी
राजस्थान परीक्षा हेतु PYQ's सीरीज़

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर के विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में,
अक्षांश प्रकाशन द्वारा प्रकाशित।

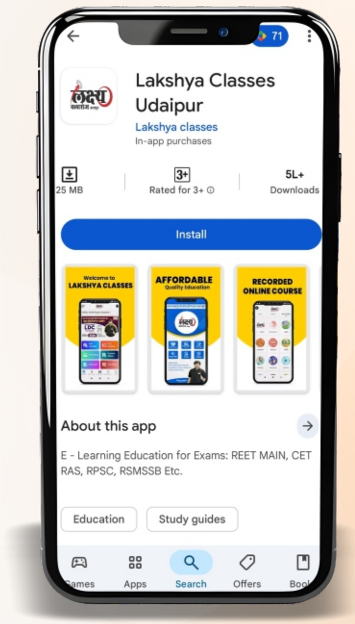

Scan to Download Lakshya App Now

Google play

MRP : ₹ 199

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

राजस्थान के सभी बुक स्टोर्स एवं लक्ष्य क्लासेज एप्लीकेशन पर उपलब्ध!

S.No. AP00042 CODE : APDO(35) NRT

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान
लक्ष्य क्लासेज ™

M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur